Title Code :- RAJHIN27855

दैनिक

द डेस्प्रिंग

TDN THE DAYSPRING NEWS

@tdnnewsindia
@tdn_thedayspringnews
@the Dayspring news
@thedayspring
@tdnnewsindia

वर्ष: 4 अंक:271 मूल्य: 3 रू पेज: 8 जयपुर, सोमवार/ 27 अक्टूबर /2025 जयपुर से प्रकाशित (सीकर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर , सिरोही से प्रसारित)

कार्यवाही के बावजूद क्यों नहीं रुक रही अवैध कॉलोनियों की बसावट?

द डेस्प्रिंग

जयपुर । राजधानी जयपुर में अवैध कॉलोनियों का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा नियमित अंतराल पर की जाने वाली कार्रवाइयों के बावजूद यह धंधा रुकने का

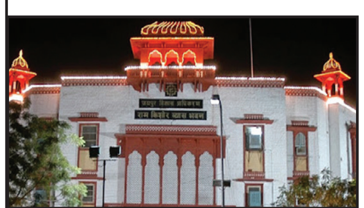

नाम नहीं ले रहा। कार्रवाई के बाद भी भू-माफिया नए नाम और तरीकों से फिर से कॉलोनियां बसाकर आमजन को झांसे में ले रहे हैं।

हर हफ्ते होती कार्रवाई, फिर भी लौट आती कॉलोनी

जेडीए की टीमें शहर के विभिन्न इलाकों में अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाती हैं। कालवाड़ रोड,सांगानेर, गोनेर रोड, मुहाना, अजमेर रोड, कांकरीया और झोटवाड़ा क्षेत्र में हाल ही में कई जगह कार्रवाई हुई। लेकिन कुछ ही दिनों बाद वही कॉलोनी नए नाम से फिर खड़ी नजर आती है। प्लॉटों की दोबारा मार्किंग होती है और नए खरीदारों को झांसा दिया जाता है।

आमजन बनते हैं सबसे बड़े शिकार

आम लोगों को सस्ते दाम पर सरकारी स्वीकृति जल्द मिलने या आवेदन प्रक्रिया चल रही जैसे बहाने बताकर प्लॉट बेच दिए जाते हैं। जब जेडीए की कार्रवाई होती है तो खरीदारों की मेहनत की कमाई मिट्टी में मिल जाती है। कई लोग तो अपनी पूरी जमा पूंजी खो बैठते हैं।

नियमों की अनदेखी और मिलीभगत के आरोप

जानकारों का कहना है कि अवैध कॉलोनियों की बसावट में स्थानीय स्तर पर मिलीभगत भी एक बड़ी वजह है। कई बार बिजली-पानी के अस्थायी कनेक्शन या सड़कों का निर्माण देखकर लोगों को लगता है कि कॉलोनी वैध है, जबकि ऐसा नहीं होता।

क्या कहते हैं अधिकारी

जेडीए अधिकारियों के अनुसार, अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अभियान लगातार चल रहा है। कार्रवाई के बाद हम नियमित निगरानी भी करते हैं। लेकिन आमजन से भी अपील है कि बिना स्वीकृति कॉलोनी में प्लॉट न खरीदें।

समाधान क्या हो सकता है

- भू-माफियाओं पर कठोर दंड और संपत्ति जब्ती की कार्रवाई
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्वीकृत कॉलोनियों की सूची सार्वजनिक करना
- आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान
- शिकायत करने वालों की पहचान गुप्त रखते हुए त्वरित जांच

तमिलनाडु में अगले हफ्ते शुरू होगा मतदाता सूची पुनरीक्षण, चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को दी जानकारी

चेन्नई

बिहार के बाद अब तमिलनाडु में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन) कराने की तैयारियां कर ली गई हैं। निर्वाचन आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को जानकारी दी है कि वह तमिलनाडु समेत चुनावी राज्यों में एसआईआर का अभियान अगले हफ्ते से शुरू करेगा। चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुलमुरुगन की बेंच को बताया कि बिहार की तरह ही यह प्रक्रिया तमिलनाडु में भी हफ्ते भर के अंदर शुरू की जाएगी। हाईकोर्ट को ईसी की तरफ से यह जानकारी ऐसे समय में दी गई है, जब ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) पार्टी के पूर्व विधायक बी. सत्यनारायणन की याचिका पर सुनवाई जारी है। पूर्व विधायक का आरोप है कि चेन्नई के टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव अधिकारियों ने लगभग 13,000 एआईएडीएमके समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए। याचिकाकर्ता के अनुसार, 1998 में क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 2,08,349 थी, जबकि 2021 तक यह केवल 36,656 बढ़ी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या और मतदाता संख्या में बड़ा अंतर है। उनका यह भी आरोप है कि जहां 13,000 समर्थकों के नाम हटा दिए गए हैं, वहीं मृत व्यक्तियों के नाम अब भी सूची में बने हुए हैं।" सत्यनारायण का आरोप है कि इससे द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) को फायदा हुआ। पूर्व विधायक ने अदालत से अपील की कि 2026 विधानसभा चुनावों से पहले टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची का पूर्ण पुनरीक्षण किया जाए और गलत एंट्रीज को हटाकर अंतिम सूची जारी की जाए। निर्वाचन आयोग ने अदालत को भरोसा दिया कि प्रस्तावित एसआईआर के दौरान याचिकाकर्ता की शिकायत पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मांग स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई अगले हफ्ते तक के लिए स्थगित कर दी और आयोग को निर्देश दिया कि बिहार एसआईआर से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की कॉपी पेश की जाए।

गाजा पर नया फैसला, युद्ध के बाद तकनीकी विशेषज्ञों की समिति संभालेगी प्रशासन; हमास ने जताई सहमति

गाजा

गाजा में जारी संघर्ष विराम के बीच हमास समेत मुख्य फलस्तीनी राजनीतिक गुटों ने अहम फैसला किया है। इसके तहत सभी गुटों ने शुक्रवार को घोषणा किया है कि युद्ध के बाद गाजा पट्टी का प्रशासन एक स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों (टेक्नोक्रेट्स) की समिति संभालेगी। यह निर्णय मिस्र की राजधानी काहिरा में हुई बैठक के दौरान लिया गया, जिसकी संयुक्त घोषणा हमास की वेबसाइट पर जारी की गई। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह अस्थायी फलस्तीनी समिति स्वतंत्र विशेषज्ञों से बनी होगी, जो अरब देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से गाजा में बुनियादी सेवाओं और दैनिक जीवन के मामलों का प्रबंधन करेगी। इसके साथ ही साथ ही सभी गुटों ने इस बात पर भी सहमति जताई कि वे फलस्तीनी मुद्दे के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने के लिए साझा रणनीति तैयार करेंगे और फलस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएलओ) को फिर से सक्रिय करने पर काम करेंगे, जो फलस्तीनी जनता का 'एकमात्र वैध प्रतिनिधि' है। बता दें कि हमास पीएलओ का हिस्सा नहीं है, जो लंबे समय से उसके प्रतिद्वंद्वी फतह के नियंत्रण में है। वहीं एक सूत्र के अनुसार, गुरुवार को काहिरा में हमास और फतह के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और अमेरिका समर्थित युद्धविराम योजना के दूसरे चरण पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने फलस्तीनी आंतरिक एकता को मजबूत करने और इस्राइल सरकार से उत्पन्न चुनौतियों का मिलकर सामना करने पर सहमति जताई। बैठक में मिस्र के खुफिया प्रमुख हसन राशद ने भी अन्य प्रमुख फिलिस्तीनी गुटों से मुलाकात की, जिनमें इस्लामिक जिहाद, डेमोक्रेटिक फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन और पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन जैसे संगठन शामिल थे। गौरतलब है कि हमास और फतह के बीच लंबे समय से गहरी राजनीतिक खाई रही है, जो 2006 के चुनावों के बाद हिंसक झड़पों में भी बदल गई थी। यही विभाजन वर्षों से फलस्तीनी एकता की कोशिशों में सबसे बड़ी बाधा रहा है। दिसंबर 2024 में भी दोनों पक्षों ने गाजा के युद्धोत्तर प्रशासन के लिए एक संयुक्त समिति बनाने पर सहमति जताई थी, लेकिन फतह के कुछ सदस्यों ने उस समझौते की आलोचना की थी। हमास, जिसने 2007 में गाजा पर नियंत्रण हासिल किया था, अब साफ कर चुका है कि वह युद्ध के बाद गाजा का शासन खुद नहीं चलाना चाहता, हालांकि उसने अपने लड़ाकों को निशस्त्र करने की मांग का विरोध किया है।

रूस के बदले अमेरिका और पश्चिम एशिया से ज्यादा तेल खरीदेगा भारत, 21 नवंबर से प्रतिबंध लागू

नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से रूस के दो बड़े तेल उत्पादकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारत अब रूस के बदले पश्चिम एशिया, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, कनाडा, ब्राजील आदि से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकता है। हालांकि यहां से ढुलाई की लागत बढ़ जाएगी जिससे आयात बिल में वृद्धि होगी। अभी भारत रोज रूस से 17 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात करता है और केंद्र सरकार के सूत्रों का कहना है अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने की तिथि 21 नवंबर तक यही स्थिति बनी रह सकती है। मगर इसके बाद इसमें कमी आने लगेगी। भारत के सरकारी और निजी रिफाइनरियां अभी रोसनेफ्ट और लुकोइल से करीब 12 लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीदती हैं। इनमें से अधिकांश मात्रा निजी रिफाइनरियों, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी की है। प्रतिबंध लागू होने के बाद यह खरीद बंद करनी होगी क्योंकि रूस की इन कंपनियों के साथ प्रत्यक्ष या परोक्ष खरीद करने वाली कंपनियां भी अमेरिकी प्रतिबंध के दायरे में आ जाएंगी। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग) सुमित रिटोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल का प्रवाह 16 से 18 लाख बैरल प्रतिदिन बना रह सकता है। लेकिन इसके बाद रोसनेफ्ट और लुकोइल से आने वाले तेल की मात्रा में प्रत्यक्ष गिरावट दिखेगी, क्योंकि भारतीय रिफाइनर अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहेंगे। एजेंसी सूत्रों ने बताया कि रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स, जिसका रोसनेफ्ट के साथ 5 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदने का 25 साल का अनुबंध है, इस अनुबंध से बाहर आने वाली पहली कंपनी हो सकती है। इसी तरह यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण अन्य जगहों से आपूर्ति कम होने के बाद पूरी तरह रूसी तेल पर निर्भर नायरा के पास भी बहुत कम विकल्प बचेंगे। रिटोलिया ने कहा, फिर भी, रिफाइनर तीसरे पक्ष के मध्यस्थों के माध्यम से अप्रतिबंधित रूसी तेल प्राप्त करना जारी रखेंगे

बंगलूरू टनल रोड विवादः डीके शिवकुमार ने तेजस्वी सूर्या को बताया खाली डिब्बा, भाजपा पर भी जमकर साधा निशाना

बंगलूरू

कर्नाटक में टनल रोड परियोजना को राजानीति विवाद अपने चरम पर पहुंच गया है। ऐसे में अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को टनल रोड परियोजना का विरोध करने पर आड़े हाथों लिया। शिवकुमार ने पूछा कि तेजस्वी और उनकी पार्टी ने बंगलूरू के ट्रैफिक की समस्या को हल करने में क्या योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी विरोध करे, मुझे फर्क नहीं पड़ता। भाजपा केवल पीआईएल डाल रहे हैं। भाजपा कर्नाटक सरकार को अच्छा नाम कमाने नहीं देना चाहते। इस दौरान जमीन अधिकरण को लेकर भी शिवकुमार ने कर्नाटक सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए कोई जमीन अधिग्रहित नहीं की जा रही, केवल क्राइस्ट कॉलेज/यूनिवर्सिटी के पास थोड़ा सा हिस्सा इस्तेमाल होगा। उन्होंने कहा कि इतिहासिक लालबाग को कोई नुकसान नहीं होगा, यह टनल भूमिगत होकर गुजरेगा। शिवकुमार ने यह भी स्पष्ट किया कि सिर्फ एक छोटा हिस्सा अस्थायी रूप से इस्तेमाल करेंगे और बाद में उसे पार्क में बदल देंगे। इसके साथ ही तेजस्वी सूर्या को 'खाली डिब्बा' कहते हुए शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा ने सत्ता में रहते हुए बंगलूरू के लिए कोई सार्थक काम नहीं किया। सूर्या के यह कहने पर कि टनल केवल अमीरों के लिए है। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि हां, यह उनके लिए है जिनके पास पैसा है। तेजस्वी हमें बताएं कि बंगलूरू ट्रैफिक हल करने की उनकी योजना क्या है? शिवकुमार ने सूर्या पर आरोप लगाया कि उन्होंने सांसद रहते हुए पीएमएलएडी फंड का इस्तेमाल नहीं किया, शहर में सड़क चौड़ीकरण, फ्लाईओवर निर्माण या कचरा प्रबंधन की योजना नहीं बनाई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने शहर की बुनियादी ढांचा को भी बिगाड़ा, इसलिए जनता ने हमें 224 सदस्यीय विधानसभा में 140 सीटें दी। शिवकुमार ने यह भी बताया कि बी-खाता संपत्तियों को ए-खाता में बदलने का कदम जनता के लिए सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में है। उन्होंने कहा कि लोग आवेदन कर रहे हैं और इसे जनता ने सराहा है। शिवकुमार ने सवाल किया कि भाजपा ने क्यों शहर की संपत्तियों को स्कैन नहीं किया। उन्होंने कहा कि हम बेंगलुरु को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और जनता के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। हमारी छठी गारंटी सही दस्तावेज देना है।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंध लगाने पर भड़का रूस, चेतावनी देते हुए कहा- ईयू खुद को अलग-थलग कर रहा

मॉस्को

यूरोपीय संघ द्वारा हाल ही में ब्रुसेल्स में हुई बैठक में रूस पर 19वां प्रतिबंध लगाने का एलान किया। यूरोपीय संघ के इस कदम से रूस भड़क गया है और रूस ने नए प्रतिबंध को अवैध बताते हुए चेतावनी दी कि इस कदम से यूरोपीय संघ खुद को अलग-थलग कर रहा है। यूरोपीय संघ ने रूस पर जो नए प्रतिबंध लगाए हैं, उनके तहत 2026 तक यूरोपीय संघ के बाजारों तक रूस की एलएनजी की आपूर्ति को प्रतिबंधित कर दिया गया है। रूस की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही कथित छद्म तेल बेड़े को भी प्रतिबंधित किया गया है। कुछ रूसी और विदेशी बैंकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वित्तीय प्रतिबंध लगाए गए हैं और कुछ सामानों के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि यूरोपीय संघ परिषद ने हमारे देश पर अवैध और एकतरफा प्रतिबंधों के 19वें पैकेज को मंजूरी दी है। यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की प्रतिनिधि काजा कल्लास के बयान का जिक्र करते हुए जखारोवा ने कहा कि यूरोपीय संघ रूस पर और प्रतिबंध लगाने के तैयारी शुरू कर चुका है। जखारोवा ने कहा कि इससे साफ है कि ईयू को ही अपने द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की प्रभावशीलता पर विश्वास नहीं है, लेकिन फिर भी वे लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ एक ऐसे रास्ते पर है, जो और भी ज्यादा विनाशकारी होता जा रहा है। रूस ने कहा कि यूरोपीय संघ इस बात से अनजान है कि रूस विरोध की लड़ाई में वह खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर रहा है। यूरोपीय संघ ने मनगढ़ंत बहानों के तहत चीन, बेलारूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, यूएई, भारत, थाईलैंड और उत्तर कोरिया के आर्थिक ऑपरेटर्स पर भी विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगा दिए हैं। ईयू खुद को खास मानते हुए तीसरे देशों को ब्लैकमेल कर रहा है, लेकिन वैश्विक पुलिसमैन के तौर पर काम करने की यूरोपीय संघ की महत्वकांक्षा से दुनिया में यूरोपीय संघ की भूमिका पर जरूर असर पड़ेगा। रूस किसी भी गैर-कानूनी एकतरफा उपायों की कड़ी निंदा करता है।

कुरनूल बस हादसे में 20 की मौतः बिना इजाजत स्लीपर में बदली गई बस? नियमों की अनदेखी का दावा

कुरनूल

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में शुक्रवार तड़के दर्दनाक हादसे में एक पल में कई जिंदगियां राख हो गईं। कावेरी ट्रैवल्स की बस में अचानक लगी आग ने यात्रियों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं दिया। हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है। ऐसे में अब कई सारी सामने आ रही है, जिसमें इस बात का दावा किया जा रहा है कि भीषण सड़क हादसे में शामिल वेमुरी कावेरी ट्रैवल्स की बस ने कई परिवहन नियमों की खुली धज्जियां उड़ाईं। जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि यह बस बिना अनुमति सीटिंग कोच से स्लीपर कोच में बदली गई थी और इसे संदिग्ध दस्तावेजों के साथ राज्यों के बीच चलाया जा रहा था। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, यह बस वेमुरी कावेरी ट्रैवल्स के मालिक वेमुरी विनोद कुमार की थी। बता दें कि बस को मूल रूप से दो मई 2018 को दमन और दीव में खरीदा गया था। बाद में 29 अप्रैल 2025 को इसका रजिस्ट्रेशन ओडिशा के रायगड़ा आरटीओ में जी बिजया लक्ष्मी के नाम पर ट्रांसफर किया गया, जिसका पता अधिकारियों को संदिग्ध लग रहा है। दस्तावेजों के मुताबिक बस के पास वैध फिटनेस सर्टिफिकेट (31 मार्च 2027 तक), बीमा और रोड टैक्स थे। लेकिन जांच में पता चला कि यह बस मूल रूप से सीटर कोच के रूप में पंजीकृत थी और बाद में इसे स्लीपर में बदल दिया गया, वो भी बिना तकनीकी अनुमति या सुरक्षा मानकों का पालन किए। वहीं रायगड़ा परिवहन विभाग के अधिकारियों ने दावा किया कि उन्हें बस के स्लीपर में बदलने की जानकारी नहीं थी और उन्होंने 'उपलब्ध रिकॉर्ड' के आधार पर ही अनुमोदन दिया। हालांकि, परिवहन विभाग के सूत्रों का कहना है कि कई निजी बस ऑपरेटर अनधिकृत तरीके से वाहनों में बदलाव करते हैं, और कुछ मामलों में आरटीए अधिकारियों की मिलीभगत भी पाई गई है। एपीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष व प्रबंध निदेशक च. द्वारका तिरुमला राव ने कहा कि बस बॉडी का निर्माण एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें वजन संतुलन, आपातकालीन निकास, अग्नि सुरक्षा जैसे पहलुओं का ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि निजी बस मालिक सीटों के बीच की दूरी घटाकर और अतिरिक्त बर्थ जोड़कर मूल डिज़ाइन से छेड़छाड़ करते हैं, जिससे वाहन असंतुलित और असुरक्षित हो जाते हैं। यात्रियों की सुरक्षा की कीमत पर पैसा कमाया जा रहा है। गौरतलब है कि एनएच-44 पर हुई इस भीषण दुर्घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और अनधिकृत बस डिज़ाइन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गडकरी के पास मंच पर भिड़ीं दो महिला अफसर

नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान अजीबोगरीब घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने चर्चाओं के बाजार को पूरी तरह गर्म कर दिया। साथ ही इस वीडियो को देखने के बाद लोगों के मन में सवाल और हैरानी दोनों है। ये घटनाक्रम तभी का है जब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में दो महिला अफसरों के बीच झगड़ा हो गया, वो भी मंच पर, सबके सामने। बता दें कि यह वाकया रोजगार मेले के दौरान हुआ, जब पोस्टमास्टर जनरल शोभा मधले (नारंगी साड़ी) और सुचिता जोशी (ग्रे साड़ी) एक ही सोफे पर बैठी थीं। अचानक दोनों के बीच विवाद बढ़ा और मधले ने जोशी को कोहनी से धक्का दिया, उनका हाथ झटका और यहां तक कि चिकोटी भी काट दी। यह पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। मामले में बताया जा रहा है कि झगड़े की जड़ पोस्टमास्टर जनरल के चार्ज को लेकर है। दरअसल, शोभा मधले का ट्रांसफर आठ सितंबर को कर्नाटक के घरवाड़ में कर दिया गया था। नई नियुक्ति तक नागपुर का चार्ज नवी मुंबई की पीएमजी सुचिता जोशी को दिया गया। लेकिन मधले ने ट्रांसफर के खिलाफ कोर्ट में स्टे ले लिया। उसी विवाद की गर्माहट मंच तक पहुंच गई। इसके बाद अब यह मामला चर्चाओं में है

चिंताजनक:

10 साल में प्रदूषण से 38 लाख मौत, छोटे शहरों में भी हवा जहरीली

नई दिल्ली

भारत में सांस लेना अब जानलेवा होता जा रहा है। स्वीडन के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2009 से 2019 के बीच वायु प्रदूषण ने देश में 38 लाख लोगों की जान ली, जबकि छोटे और औद्योगिक शहर अब नए प्रदूषण हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहे हैं। इस बात का उल्लेख दिल्ली स्थित सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की पुस्तक सांसों का आपातकाल करते हुए चेतावनी दी गई है कि यह संकट अब महानगरों से निकलकर पूरे भारत की हवा को विषाक्त कर चुका है। कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट की रिसर्च बताती है कि

2009 से 2019 के दशक में भारत में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतें कुल मृत्यु दर का 25 प्रतिशत हैं। अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सख्त मानक (5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) को आधार बनाया जाए तो यह संख्या अनुमानित रूप से 1.66 करोड़ मौतों तक जा सकती है। कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट का अध्ययन भारत के 655 जिलों में किया गया था, जिसमें सभी क्षेत्रों में पीएम 2.5 का स्तर मानक से ऊपर पाया गया। अध्ययन में कहा गया है कि भारत की पूरी आबादी ऐसे इलाकों में रहती है जहां पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पीएम 2.5 के कण बेहद सूक्ष्म होते हैं, यहां तक कि बाल की मोटाई के मुकाबले 30 गुना पतले जो सांस के जरिए सीधे फेफड़ों और रक्त प्रवाह तक पहुंच जाते हैं। हर 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की वृद्धि पर मौतों में 8.6' इजाफा दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार असम-मेघालय सीमा पर स्थित छोटा औद्योगिक नगर बर्नीहाट अब देश का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। यहां का सालाना पीएम 2.5 स्तर 133.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। दिल्ली स्थित क्लाइमेट-टेक स्टार्टअप रेस्पिरर लिविंग साइंसेज के चार वर्षीय अध्ययन (2021 - 2024) में पाया गया कि देश के 11 बड़े शहरों में पीएम 10 स्तर राष्ट्रीय सुरक्षा मानक 60 माइक्रोग्राम से कई गुना ज्यादा बना रहा।

पुलिस पर मारपीट और रुपए वसूलने का आरोप, पीड़िता ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

तीन पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग, कहा बेटे को थाने में पीटा और धमकाकर रुपए लिए

खाकी वर्दी जो आमजन की सुरक्षा की प्रतीक मानी जाती है उसी वर्दी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए

द डेस्प्रिंग

जालोर (युनुस खान). जिले में खाकी वर्दी पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। गोडीजी वाडिया निवासी मंजू देवी पत्नी मोहनलाल मेघवाल ने तीन पुलिसकर्मियों पर मारपीट और रुपए वसूलने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है। पीड़िता ने मांग की है कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

मंदिर गए युवक को थाने ले जाकर पीटा

मंजू देवी ने ज्ञापन में बताया कि उनका बेटा मनीष 24 अक्टूबर की शाम करीब साढ़े छह बजे तालाब के पास बने मंदिर में दर्शन करने गया था। उसी दौरान तीन पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और मनीष की जेब की तलाशी लेने लगे। जब उसने कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं, तो पुलिसकर्मियों ने बिना किसी कारण के उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और जबरन

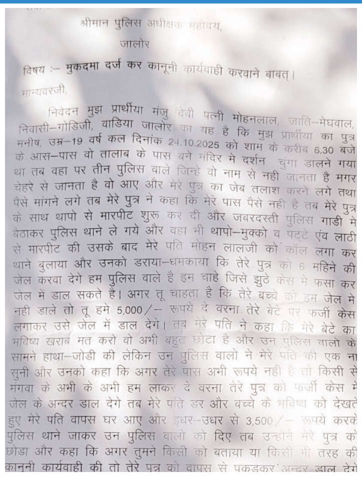

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय,
जालोर

विषय :– मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही करवाने बाबत्।

मान्यवरजी,

निवेदन मुझ प्रार्थीया मंजु देवी पत्नी मोहनलाल, जाति–मेघवाल, निवासी–गोडिजी, वाडिया जालोर का यह है कि मुझ प्रार्थीया का पुत्र मनीष, उम्र–19 वर्ष कल दिनांक 24.10.2025 को शाम के करीब 6.30 बजे के आस–पास वो तालाब के पास बने मंदिर मे दर्शन चुंगा डालने गया था तब वहा पर तीन पुलिस वाले जिन्हे वो नाम से नही जानता है मगर चेहरे से जानता है वो आए और मेरे पुत्र का जेब तलाश करने लगे तथा पैसे मांगने लगे तब मेरे पुत्र ने कहा कि मेरे पास पैसे नही है तब मेरे पुत्र के साथ थापो से मारपीट शुरू कर दी और जबरदस्ती पुलिस गाडी मे बैठाकर पुलिस थाने ले गये और वहा भी थापो–मुक्को व पट्टे एंव लाठी से मारपीट की उसके बाद मेरे पति मोहन लालजी को कॉल लगा कर थाने बुलाया और उनको डराया–धमकाया कि तेरे पुत्र को 6 महिने की जेल करवा देगे हम पुलिस वाले है हम चाहे जिसे झुठे केस मे फसा कर जेल में डाल सकते है। अगर तू चाहता है कि तेरे बच्चे को हम जेल मे नही डाले तो तू हमे 5,000/– रूपये दे वरना तेरे बेटे पर फर्जी केस लगाकर उसे जेल में डाल देगे। तब मेरे पति ने कहा कि मेरे बेटे का भविष्य खराब मत करो वो अभी बहुत छोटा है और उन पुलिस वालो के सामने हाथा–जोडी की लेकिन उन पुलिस वालो ने मेरे पति की एक ना सुनी और उनको कहा कि अगर तेरे पास अभी रूपये नही है तो किसी से मंगवा के अभी के अभी हम लाकर दे वरना तेरे पुत्र को फर्जी केस मे जेल के अन्दर डाल देगे तब मेरे पति डर और बच्चे के भविष्य को देखते हुए मेरे पति वापस घर आए और इधर–उधर से 3,500/– रूपये करके पुलिस थाने जाकर उन पुलिस वालो को दिए तब उन्होने मेरे पुत्र को छोडा और कहा कि अगर तुमने किसी को बताया या किसी भी तरह की कानूनी कार्यवाही की तो तेरे पुत्र को वापस से पकडकर अन्दर डाल देगे

पुलिस वाहन में बैठाकर थाने ले गए।

थाने में भी हुई पिटाई, मांगी पांच हजार की रिश्वत

पीड़िता के अनुसार थाने पहुंचने के बाद भी मनीष को छोड़ा नहीं गया, बल्कि

पुलिसकर्मियों ने थापों, लाठियों और पट्टे से उसकी पिटाई की। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने मनीष के पिता मोहनलाल को थाने बुलाकर कहा कि बेटे को छोड़ना है तो पांच हजार रुपये देने होंगे। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पुलिसकर्मियों ने धमकाया कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो बेटे को झूठे केस में फंसा कर जेल भेज देंगे। डर के कारण मोहनलाल ने इधर-उधर से पैसे जुटाए और 3,500 रुपये थाने में पुलिसकर्मियों को दिए। इसके बाद मनीष को छोड़ा गया।

खाली कागज पर हस्ताक्षर करवाए, दी धमकी

मंजू देवी ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने जाते-जाते मोहनलाल और मनीष दोनों से खाली कागज पर हस्ताक्षर करवाए। साथ ही धमकी दी कि अगर घटना की जानकारी किसी को दी तो फिर से जेल भेज देंगे।

एसपी से न्याय की गुहार

पीड़िता मंजू देवी ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि आमजन का पुलिस पर से विश्वास न उठे। उन्होंने कहा कि जो पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए होती है, वही यदि अत्याचार करने लगे तो आमजन कहां जाए?

इनका कहना है

मुझे मंदिर से जबरन पुलिस गाड़ी में बैठाकर थाने ले गई मुझे बुरी तरह पीटा गया मेरे आँखें के नीचे एवं पीठ पर घाव दिख रहे है मेरे पिता जी से 3500 रुपए लेकर खाली कागज पर मेरे ओर मेरे पिता जी के साइन करवाए और धमकी दी कि यह बात किसी को बताई तो जेल में डाल दूंगा हम यही चाहते है कि हमारे साथ न्याय हो ऐसे पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएं

मनीष कुमार पीड़ित

रानी तहसील फोटोग्राफी एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया

द डेस्प्रिंग

रानी / नगराज वैष्णव । तहसील फोटोग्राफी एसोसिएशन का रजिस्ट्रेशन होने की खुशी में और कार्यकारिणी विस्तार को लेकर विचार विमर्श किया गया रानी तहसील से पधारे सभी फोटोग्राफरों ने अपने विचार व्यक्त किये आने वाले सीजन को लेकर तैयारी की चर्चा भी की गई रानी तहसील फोटोग्राफी एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील कुमार बुनकर ने कहा फोटोग्राफरों के हित को लेकर हर संभव प्रयास किए जाएंगे फोटोग्राफर मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट का इस्तेमाल जरूर करें मोटर साईकिल सुरक्षित चलाएं धीरे चलाएं इस स्नेह मिलन कार्यक्रम में सचिव रवि बंजारा कोषाध्यक्ष महिपाल रावल मीडिया प्रभारी कुंदन माली प्रीतम रावल सरक्षकछगन बंजारा मूलाराम दिनेश मेवाड़ा मुकेश बॉस कुमारपाल रावल सुरक्षक नरेंद्र रामावत दिनेश माली हस्ती चंदेल गौरव शर्मा दिनेश मीणा अर्जुन भाट् नारायण लाल प्रिंट मीडिया डिजिटल मीडिया से पत्रकार बंधु उपस्थित रहे बसरुद्दीन चढ़वा नरेंद्र बुनकर जिगर सोनी हितेश गुप्ता बी एल भाटी नगराज वैष्णव महिपाल रावल गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रानी में साइकिल रैली के माध्यम से मनाया गया राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह

द डेस्प्रिंग

रानी / नगराज वैष्णव । सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में अक्टूबर माह को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आज रानी में पुलिस थानाधिकारी सीआई आनंद कुमार, नगरपालिका अध्यक्ष भरत राठौड़ तथा भाजपा रानी शहर मंडल अध्यक्ष हरीश गेहलोत के सानिध्य में अष्टापद जैन मंदिर से स्ट75 फाटक तक साइबर जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। थानाधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि आमजन को साइबर ठगों से सतर्क रहना चाहिए और किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। इस अवसर पर नगजी देवासी मोबाईल किंग, जयंति राजा , प्रकाश चौधरी , किशन सिंह खींचीं, चेतन सुथार , पवन मेवाडा, रानी पुलिश थाना सिपाई रहे उपस्थित ।

देवनारायण भगवान मंदिर ट्रस्ट की कार्यकारिणी का हुआ गठन

नरेश गुर्जर (तहसीलदार) को बनाया अध्यक्ष ,रतनदीप गुर्जर बने महामंत्री ,जगदीश बोकण बने कोषाध्यक्ष

द डेस्प्रिंग

निवाई/अशोक लांगडी । देव धाम जोधपुरिया में स्थित श्री देवनारायण भगवान मंदिर में मंदिर ट्रस्ट के चुनाव को लेकर रविवार को बैठक समाज की रामचंद्र गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

इस दौरान चुनाव पर्यवेक्षक नेहनू लाल गुर्जर की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए

अध्यक्षता कर रहे रामचंद्र गुर्जर ने बताया कि सकल गुर्जर समाज की बैठक में सर्वसम्मति से ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर नरेश गुर्जर (तहसीलदार) सिकंदरा को मनोनीत किया गया एवं महामंत्री के पद पर रतनदीप गुर्जर (पूर्व पार्षद)निवाई को मनोनीत किया गया एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए जगदीश बोकाण जयपुर को मनोनीत किया।

इस अवसर पर सभी नव नियुक्त पदाधिकारीयो को पद

व गोपनीयता की शपथ दिलाकर कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मांगीलाल गुर्जर, भुना राम गुर्जर,गोपाल गुर्जर मालपुरा, हंसराज फागण टोंक,शंकर पोसवाल मित्रपुरा, रामसहाय छावडी गोतोड, शिवराज लांगडी, मुल्क राज गुर्जर, आर डी गुर्जर, नादान गुर्जर, ब्रह्म प्रकाश गुर्जर, प्रधान राम अवतार लांगडी, वीरेंद्र गुर्जर पटवारी, देवनारायण गुर्जर पीटीआई, रूपसिंह अधाना आदि मौजूद रहे।

पुलिस के जवान मौजूद रहे

मृत्युंजय मिश्रा पुलिस उपाधीक्षक निवाई, थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा, सदर थानाधिकारी राजेंद्र प्रसाद, मदन सिंह, कांस्टेबल हरिराम गुर्जर, कालूराम चौधरी सहित अन्य पुलिस के जवान मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का किया स्वागत

द डेस्प्रिंग

केशोरायपाटन(मुकेश जैन): राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा केशोरायपाटन की बैठक का आयोजन शाखाध्यक्ष विजय मिलिंद की अध्यक्षता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केशोरायपाटन में किया गया। कार्यक्रम में संगठन के संभाग संयुक्त मंत्री अनिल सामरिया, जिलाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश शर्मा, जिलामंत्री अंकित गौतम अतिथि रहे। उपशाखा जिले के पदाधिकारियों के प्रथम बार आगमन पर संगठन का दुपट्टा धारण कर अभिनंदन किया गया। संभाग संयुक्त मंत्री ने अनिल सामरिया ने संगठन के द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि संगठन हमेशा शिक्षकों के हित के लिए तत्पर रहता है और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी शिक्षक शिक्षा और शिक्षार्थियों के प्रति समर्पित रहने का भाव रखता है। जिलाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश शर्मा द्वारा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को समय-समय पर उच्च अधिकारियों से अवगत कराकर उनका उचित निदान करवाने का आश्वासन दिया। जिलामंत्री अंकित गौतम ने बताया कि

शिक्षकों को संगठन के आह्वान पर खड़े रहना चाहिए और अन्य किसी भी प्रकार के हितों की चिंता के संगठन पर छोड़कर निश्चिन्त हो जाना चाहिए। संगठन के पदाधिकारियों ने सामाजिक सरोकार के कार्यों के अंतर्गत कार्तिक पूर्णिमा पर भगवान श्री केशव के दर्शनार्थियों के लिए प्रसादी वितरण का भी निर्णय लिया। बैठक में विभिन्न प्रकार की समस्याओं के बारे में विचार विमर्श किया और सभी समस्याओं से सक्षम अधिकारी को अवगत कराकर जल्दी ही उनका समाधान करवाने का आश्वासन दिया। उपशाखा अध्यक्ष विजय मिलिंद ने बताया कि पोषाहार का समय पर वितरण, पोषाहार, कुक कम हेल्पर एवं बाल गोपाल दुग्ध योजना के राशि का समय पर भुगतान,2023 में लगे अध्यापकों के स्थाईकरण के कार्य में शीघ्रता, महात्मा गांधी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की वेतन व्यवस्था आदि कई समस्याओं को शीघ्र ही हल करने को लेकर सक्षम अधिकारियों से वार्ता करने का निर्णय संगठन के द्वारा लिया गया है। बैठक का संचालन बजरंग लाल मेघवाल के द्वारा किया गया। बैठक में तुलसीराम नामा, सुखबीर सिंह कराड, द्वारका लाल सेन, नवीन मूंदड़ा, उप शाखा महिला मंत्री गीता मेहरा,दशरथ शर्मा, दिनेश मीणा, गजेंद्र मेघवाल, योगेश शर्मा,रजनीश आचार्य, गोपाल मेहरा,अमर लाल कराड, प्रवीण मेघवाल, अशोक नागर,मनीष, पवित्र गौतम,यशवंत सेन, विशाल प्रजापत,विकास सेन, शुभांगनी राठौर, विशेष चौधरी आदि उपस्थित रहे।

जिसको जितनी आयु मिली है उससे ज्यादा नहीं रुकेगाः अरुण कुमार श्रीवास्तव

विश्व शांति मिशन की मासिक काव्य गोष्ठी संपन्न,

द डेस्प्रिंग

गोरखपुर / संजय कुमार । विश्व शांति मिशन की मासिक कवि गोष्ठी के क्रम में हुमायूँपुर स्थित कार्यालय पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ किया । गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि डॉक्टर हनुमान प्रसाद चौबे ने किया एवं संचालन डॉक्टर प्रेमलता रस बिंदु द्वारा किया गया। डा उपेंद्र प्रसाद की असामइक मृत्यु के कारण गोष्ठी में मायूसी छाई रही। अंत में आयोजक अरुण कुमार श्रीवास्तव द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया एवं 2 मिनट का मौन रखकर डॉक्टर उपेंद्र प्रसाद की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

अभिन्न मानवता की मिसाल बनी 'बृज की रसोई' आशीर्वाद संग संवेदना का प्रसाद बँटा

भोजन वितरण नहीं, मानवता का प्रसाद संस्थापक विपिन शर्मा ने कहा – भूखे के चेहरे पर मुस्कान ही सच्ची आराधना है।

द डेस्प्रिंग

लखनऊ (उ.प्र.)/संजय कुमार । इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) द्वारा संचालित बृज की रसोई के तत्वाधान में आज रविवार को आशियाना क्षेत्र के चिन्हित स्थानों पर निःशुल्क भोजन वितरण सेवा का आयोजन किया गया। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की असीम कृपा से सम्पन्न इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एकत्र हुए और अकिंचन, निराश्रित बच्चों एवं असहाय, वृद्धजनों को ससम्मान पौष्टिक भोजन वितरित किया गया। शर्मा ने कहा भोजन वितरण केवल अन्न दान नहीं, बल्कि मानवता का प्रसाद है। जब किसी भूखे के चेहरे पर मुस्कान लौटती है, तो वही सच्ची आराधना है। दीपक भुटियानी ने बताया कि बृज की रसोई का उद्देश्य केवल पेट भरना नहीं, बल्कि समाज में संवेदना और सह-अस्तित्व की भावना को जागृत करना है। संजय श्रीवास्तव ने कहा इस अवसर पर उपस्थित स्वयंसेवकों ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद कर उन्हें प्रेरणादायक संदेश भी दिए। अनुराग दुबे ने बताया भोजन वितरण कार्यक्रम में अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों तथा युवाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर एक सामूहिक भावना के साथ इस सेवा को सफल बनाया। वातावरण में न केवल संतोष का भाव था, बल्कि एक-दूसरे के प्रति करुणा और अपनत्व का भी सुंदर संदेश प्रसारित हुआ। विशाल माथुर ने कहा संस्था ने आमजन से अपील की कि वे भी इस सेवा यात्रा में सहभागी बनें और भूखमुक्त भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दें। मुकेश कनौजिया ने बताया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, स्थानीय नागरिक एवं युवा स्वयंसेवक शामिल हुए। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि भूख मिटाने का यह अभियान केवल त्यौहारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निरंतर सेवा यात्रा के रूप में चलता रहेगा। दिव्यांश शर्मा ने बताया कि बृज की रसोई के माध्यम से प्रत्येक रविवार सैकड़ों जरूरतमंदों तक निःशुल्क भोजन पहुँचाया जा रहा है, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने प्रेमपूर्वक छोला आलू की सब्जी, चावल का वितरित किया। लगभग 1400 जरूरतमंदों ने इस सेवा का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में संजय श्रीवास्तव, विशाल माथुर, दीपक भुटियानी, अनुराग दुबे, मुकेश कनौजिया, दिव्यांश शर्मा, दिनेश पाण्डेय, नवल सिंह सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय योगदान दिया।

गुजरात के अभियोजन निदेशक ए.आर. पटेल ने नीलकंठ महादेव व 72 जिनालय में किए दर्शन, खुशहाली की कामना की

भीनमाल में धार्मिक व सामाजिक प्रवास, जेड प्लस सुरक्षा में पहुंचे उच्च अधिकारी

चर्चित गुजरात सीरियल बम ब्लास्ट केस में 49 आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सुनाई थी ऐतिहासिक सजा 38 फांसी 11 को आजीवन कारावास

द डेस्प्रिंग

जालोर (युनुस खान) । गुजरात सरकार के अभियोजन निदेशक एवं विशेष अदालत के पूर्व न्यायाधीश ए.आर. पटेल ने रविवार को भीनमाल प्रवास के दौरान नीलकंठ महादेव मंदिर और 72 जिनालय में दर्शन कर क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। शनिवार को पटेल अपने परिवार सहित माँ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रवीणभाई शाह जेतावाडा (सिरोही) के निवास पर आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में शामिल हुए थे। समारोह के बाद उन्होंने वहीं रात्रि विश्राम किया।

ए.आर.पटेल पहुंचे सुंधामाता मंदिर किए दर्शन

रविवार सुबह पटेल धार्मिक स्थल सुधापर्वत तीर्थ पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर देश और समाज में शांति की कामना की। इसके बाद वे भीनमाल पहुंचे और स्थानीय समाजसेवी प्रकाश कुमार जैन के निवास पर पहुंचे, जहां एक घंटे तक रुके और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों से सौजन्य भेंट की।

भीनमाल के नीलकंड महादेव मंदिर में दर्शन कर की पूजा अर्चना

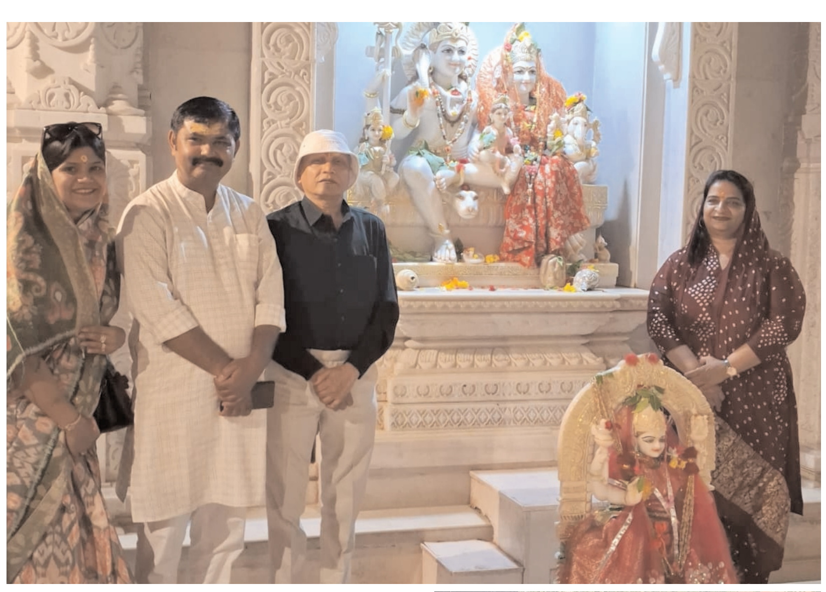

पटेल परिवार सहित नीलकंठ महादेव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर निर्माता परिवार के प्रतिनिधि श्रवणसिंह राव और पार्षद जयसिंह राव ने पटेल का स्वागत किया और मंदिर के इतिहास से अवगत कराया। नीलकंठ महादेव मंदिर के दर्शन के बाद पटेल 72 जिनालय पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धा पूर्वक दर्शन किए और विश्व शांति व समाज की उन्नति की प्रार्थना की। बताया गया कि पटेल रविवार की रात भीनमाल में विश्राम के बाद सोमवार सुबह पावापुरी जैन महातीर्थ के लिए रवाना होंगे।

चर्चित गुजरात सीरियल बम ब्लास्ट केस में 49 आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सुनाई थी ऐतिहासिक सजा 38 फांसी 11 को आजीवन कारावास

ए.आर. पटेल गुजरात विशेष न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर रहते हुए वर्ष 2022 में देश

के चर्चित गुजरात सीरियल बम ब्लास्ट केस में 49 आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऐतिहासिक सुनवाई की थी। इस दौरान उन्होंने 38 आरोपियों को फांसी और 11 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जो देश के न्यायिक इतिहास में अभूतपूर्व फैसला माना गया उनकी न्यायिक निष्पक्षता और कठोर रुख को देखते हुए तत्कालीन गुजरात सरकार ने उन्हें आजीवन "+" सुरक्षा प्रदान की थी। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें गुजरात सरकार का अभियोजन निदेशक नियुक्त किया गया। पटेल का यह भीनमाल दौरा पूर्णतः धार्मिक और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक रहा।

जुगैल पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में वांछित चार अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सोनभद्र द डेस्प्रिंग हिंदी दैनिक

सोनभद्र । थाना जुगैल प्रभारी निरीक्षक नागेश कुमार सिंह मय हमराह उ0नि0 मनोज कुमार सिंह, उ0नि0 उमाशंकर गिरी, हे0का0 शिवदास यादव तथा का0 दीपक कुमार द्वारा मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 118/2025, धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट से संबंधित चार अभियुक्तों को महलपुर तिराहा से समय 11:30 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम मनोज यादव पुत्र लक्ष्मण यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम अगोरी खास टोला बिजौरा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र, रामप्रताप यादव पुत्र शिवमुनी यादव उर्फ शिवमनी, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम अगोरी खास टोला बिजौरा, थाना जुगैल, जिला सोनभद्र,राममूरत उर्फ लल्लू यादव पुत्र लक्ष्मण यादव, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम अगोरी खास टोला बिजौरा, थाना जुगैल,कतवारू कोल उर्फ कमला पुत्र लालजीव कोल, उम्र लगभग 26 वर्ष, निवासी ग्राम अगोरी खास टोला बिजौरा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक नागेश कुमार सिंह, थाना जुगैल, सोनभद्र,उ0नि0 मनोज कुमार सिंह, थाना जुगैल, सोनभद्र ,उ0नि0 उमाशंकर गिरी, थाना जुगैल, हे0का0 शिवदास यादव, थाना जुगैल,का0 दीपक कुमार, थाना जुगैल इत्यादि।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, ने 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया

मन की बात' कार्यक्रम में गूंजा स्वदेशी का संकल्प,

कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुँचाया आत्मनिर्भर भारत का संदेश

द डेस्प्रिंग

सितारगंज:(दीपक भारद्वाज) । विधानसभा सितारगंज क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय व प्रेरणादायी रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का विशेष श्रवण कार्यक्रम बड़े उत्साह और देशभक्ति के माहौल में आयोजित किया गया। बूथ संख्या 71 पर आयोजित इस कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष हिमांशु पंत जी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सभी ने प्रधानमंत्री जी के संदेशों को आत्मसात करते हुए स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के उपरांत बूथ समिति की बैठक में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वदेशी संकल्प पत्र भरवाए गए और घर-घर जाकर लोगों से स्थानीय उत्पादों के उपयोग एवं 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की गई। इस दौरान घरों पर स्वदेशी से संबंधित स्टिकर भी चिपकाए गए, ताकि आत्मनिर्भर भारत का संदेश हर द्वार तक पहुँच सके।इधर, शक्तिफार्म के बैकुंठपुर नंबर 6 में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, व भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आम जनमानस ने प्रधानमंत्री मोदी जी की 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायी विचारों ने सभी को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने अपने संदेशों में राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी और स्वदेशी के महत्व पर बल देते हुए हर नागरिक को आत्मनिर्भर भारत के अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।'मन की बात' कार्यक्रम ने न केवल जन-जन को जोड़ने का कार्य किया, बल्कि हर भारतीय में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प भी जगाया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में 'स्वदेशी अपनाओ - भारत बनाओ' का नारा लगाकर राष्ट्रभक्ति और एकता का सशक्त संदेश दिया।

रानी लाभ पंचमी के दिन ठाकुरजी के भोग के बाद वितरण अन्नकूट

द डेस्प्रिंग

रानी / नगराज वैष्णव । मेन बाजार शितलाचौक के पास रामचन्द्रजी मंदिर मे केई वर्षो से लग तार अन्नकूट का भोग लगनेके बाद होता वितरण ! रामजी मंदिर मेड स्वर्ण कार संघ द्वारा अन्नकूट का आयोजन किया जाता है ,56 भोग चढाकर महा आरती के बाद अन्नकूट वितरण होता है ! बस्तीमल , चन्दनमल, शिवलाल, चम्पालाल हस्तीमल कुन्दनमल सोहनलाल, बंशीलाल , पारसमल के जमाने सेअन्नकूट महोत्सव चला आ रहा है आज नई पिढी संस्था अध्यक्ष पन्नालाल जवडा, किरणलाल, गणपत लाल घनश्याम , राजमल, राहुल सोनी, कैलाश सोनी, गिरीश सोनी, निलेश नागौरी , हस्तीमल सोनी , तेजराज , हनुमान ,समस्त मेड स्वर्ण कार समाज भाग लेता है ! पुरे रानी के ठाकुरजी के भक्त अन्न कूट का प्रसाद लेने पहुंच ते है ! पुजारी रविन्द्र रामावत द्वारा पूजा आरती होती है ! मिष्ठान , कई प्रकार की साग कोला , शक्कर कंद , मुली, बैंगन ये सब्जिया इस अन्नकूट मे हि प्रसाद रूप मे स्वीकार होती है ।

सोनभद्र उर्जांचल में सड़कों पर गडडों और कोयले की धूल से उत्पन्न हुआ प्रदूषण

द डेस्प्रिंग

सोनभद्र उर्जांचल में सड़कों पर गडडों और कोयले की धूल से उत्पन्न प्रदूषण, दोनों ही सड़क दुर्घटनाओं और जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। हाल के वर्षों में कई रिपोर्टों और सरकारी आंकड़ों ने इस समस्या की भयावहता को उजागर किया है। गडडों से होने वाले सड़क हादसेसड़क पर गडडों की वजह से हर साल हजारों लोगों की जान जा रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, 2018 से 2020 के बीच गडडों के कारण हुए हादसों में कम से कम 5,626 लोगों की मौत दर्ज की गई थी । 2020 में प्रतिदिन लगभग 10 लोगों की मौत गडडों से होने वाले हादसों में हुई। खराब सड़कें, ओवरलोड वाहन और सड़क रखरखाव की कमी इस समस्या को बढ़ा रही हैं।कोयला धूल उड़ने से फैलने वाले प्रदूषण परिवहन राहगीरों को शक्तिनगर से औडी अनपरा और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में कोयला और राख के परिवहन के कारण बड़ी मात्रा में धूल व प्रदूषण फैल रहा है। कोल परियोजनाओं से गिरने वाला कोयला और राख सड़क पर जमा होकर वाहनों की आवाजाही के समय धूल के गुबार में बदल जाता है, जिससे न केवल पर्यावरण दूषित होता है बल्कि सड़क दृश्यता भी घट जाती है – यह दुर्घटनाओं की संभावना को और बढ़ाता है।संयुक्त प्रभावः प्रदूषण और दुर्घटनाएं धूल प्रदूषण से दृश्यता कम होने, गडडों से अस्थिर सड़क सतह बनने और वाहनों के नियंत्रण खोने जैसी स्थितियां एक साथ मिलकर सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कई गुना बढ़ा देती हैं । शक्तिनगर-अनपरा मार्ग जैसी जगहों पर प्रदूषण, गडडों और कम रोशनी मिलकर गंभीर स्थिति बना रहे हैं, जिससे लोग लगातार हादसों के शिकार हो रहे हैं। निवारण के उपाय सरकार सोनभद्र जिला प्रशासन ने समस्या के समाधान के लिए हैं जैसे–सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव कर धूल नियंत्रण गडडों की पहचान और सुधार हेतु 'ब्लैक स्पॉट सुधार योजना'। आदेश निर्देश हैं धरातल पर उसका कोई असर नहीं है।सिविल इंजीनियरिंग विद्यार्थियों द्वारा विकसित **Cold Pothole Mi&** जैसी तकनीकें, जिनसे गडडों को तुरंत भरा जा सकता हैं।कुल मिलाकर, सड़क पर गडडों और कोयले व धूल जनित प्रदूषण का संयुक्त प्रभाव जनता के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। सड़क रखरखाव और प्रदूषण नियंत्रण के समन्वित प्रयासों से ही इन जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है।

पांच एकड़ खेत में लगी गन्ने की फसल जलकर राख

350 नींबू के पेड़ और 950 पॉपुलर के पेड़ों को भी नुकसान हुआ

द डेस्प्रिंग

सितारगंज।(रामप्रताप भारद्वाज) पांच एकड़ खेत में लगी गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। शनिवार को गांव मगरसड़ा में हल्द्वानी निवासी सतपाल सिंह के खेत में आग लग गई। इससे करीब पांच खेत में लगी गन्ने की फसल जलकर राख हो गए। वहीं, आग के कारण करीब 350 नींबू के पेड़ और 950 पॉपुलर के पेड़ों को भी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। वहीं, अग्निशमन विभाग के राज बिष्ट ने बताया कि खेत में आग लगने की सूचना पर स्थानीय फायर यूनिट की टीम ने दो अग्निशमन वाहनों से पानी डालकर आग को बुझाया। इधर, रविवार को राजस्व विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर नुकसान का आंकलन किया।

सिडकुल क्षेत्र में दो शराब तस्कर गिरफ्तार,

35 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ बाइक जब्त,

द डेस्प्रिंग

सितारगंज/(दीपक भारद्वाज) कोतवाली सितारगंज पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सिडकुल क्षेत्र में चल रही अवैध कच्ची शराब की तस्करी का पर्दाफाश किया है। शनिवार की देर शाम पुलिस टीम ने एक गुप्त सूचना व नियमित गश्त के दौरान दो शराब तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अपर उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह दानू मय हमराही कांस्टेबल अमित जोशी व कांस्टेबल कपिल कुमार के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था, अवैध शराब व मादक पदार्थों की रोकथाम के उद्देश्य से गश्त पर थे। इसी दौरान सिद्ध गर्व्यांग गेट के पास एक संदिग्ध मोटरसाइकिल (बजाज प्लेटिना संख्या यूके06 एवी-8218) को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बाइक सवार युवक वाहन मोड़कर भागने लगे। पुलिस की सतर्कता से दोनों को घेराबंदी कर मौके पर ही पकड़ लिया गया।तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल के बीच में रखे काले रंग के चैनदार बैग की जांच की गई, जिसमें कुल 35 पाउच लगभग 35 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। मौके पर ई-साक्ष्य एप के माध्यम से वीडियोग्राफी करते हुए पूरी बरामदगी की गई। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम राजविन्दर सिंह निवासी अर्जुनपुर, थाना रुद्रपुर और सोनू सिंह राणा निवासी बरुआबाग, सितारगंज बताया। दोनों ने स्वीकार किया कि वे यह शराब नगला नानकमत्ता क्षेत्र से बरुआबाग सप्लाई करने जा रहे थे, जिसमें रंग डालकर ग्राहकों को बेचा जाता है।बरामदशुदा शराब को सील कर कब्जे में लिया गया और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया। दोनों अभियुक्तों को धारा 60(1)/72 आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर चालान किया गया।पुलिस टीम की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियानों को आगे भी जारी रखा जाएगा ताकि सिडकुल व आसपास के क्षेत्रों में अवैध शराब का धंधा पूरी तरह खत्म किया जा सके।

गैंगस्टर्स को फॉलो करने पर 15 लोग अरेस्ट

अनेक स्थाई वारंटी भी किए गिरफ्तार डीएसपी दरजाराम बोस ने दी जानकारी

द डेस्प्रिंग

सुजानगढ़ । सुजानगढ़ पुलिस ने गैंगस्टर्स को फॉलो करने के आरोप में 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी दरजाराम बोस ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने 13, सदर पुलिस ने 2 लोगों को अरेस्ट किया है। गैंगस्टर वीरेंद्र चारण व अन्य अपराधियों को फॉलो करने वाले, स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की 4 टीमों ने सीआई बेगाराम मीना, एसआई पप्पूराम, गीता रानी, एच सी जगदीश के नेतृत्व में पुलिस जाप्ते के साथ कार्यवाही को अंजाम दिया। वहीं डीएसपी ने आम लोगों से अपील की है कि वो अपने बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर रखें और अपने बच्चों को अच्छे महापुरुषों को फॉलो करने के लिए प्रेरित करे।

ग्राम पंचायत डासरोली में हुआ सम्मान समारोह

डामरीकरण सड़कों का शिलान्यास व चिकित्सा शिविर का भी हुआ आयोजन

द डेस्प्रिंग

दांतारामगढ़। ग्राम पंचायत डासरोली के युवा सरपंच हनुमान प्रसाद झाझडा के सफल ऐतिहासिक 5 वर्ष के कार्यकाल के अवसर पर ग्राम पंचायत भवन में सम्मान समारोह व शिलान्यास समारोह तथा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा दांतारामगढ़ विधानसभा प्रत्याशी गजानंद कुमावत तथा दांतारामगढ़ प्रधान प्रतिनिधि प्रभु सिंह शेखावत, पंचायत समिति सदस्य वृद्धि चंद देवत तथा सरपंच हनुमान प्रसाद झाझडा द्वारा डांसरोली से कीलका की ढाणी (केशव का बास) तथा डासरोली से झाझाड़ा की ढाणी तक डामरीकरण सड़कों का शिलान्यास किया गया साथ ही पंचायत परिसर में सरपंच और समस्त वार्ड पंचों व पंचायत के कार्मिकों का सम्मान किया गया। इस दौरान मानवता हॉस्पिटल सीकर की टीम द्वारा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 400 मरीजों को चिकित्सकों द्वारा परामर्श व निशुल्क जांच तथा दवाई उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर सरपंच झाझडा द्वारा 5 वर्षों मे किए गए विकास कार्यों का विवरण जनसमूह को प्रस्तुत किया। वहीं भाजपा प्रत्याशी गजानंद कुमावत ने सरपंच के विकास कार्यों की बहुत-बहुत प्रशंसा की तथा डासरोली क्षेत्र में विकास कार्यों में सदैव सहयोग करने का वादा किया। कार्यक्रम का संचालन बंशीलाल राजोरिया द्वारा किया गया।

बरेली कैण्ट क्षेत्र के राधाकुंज कॉलोनी को मिली पक्की सड़क और नाली की सौगात

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना, ब्यूरो बरेली) बरेली कैण्ट क्षेत्र की राधाकुंज कॉलोनी के निवासियों का लंबा इंतजार रविवार को समाप्त हो गया। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता एवं प्रभारी मंत्री, बरेली, जे0 पी0 एस0 राठौर के शुभ कर-कमलों द्वारा विधायक निधि वर्ष 2025-26 के अंतर्गत निर्मित सी. सी. रोड (कंक्रीट सड़क), साइड पटरी इंटरलॉकिंग रोड और नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। यह महत्त्वपूर्ण विकास कार्य नवीन कटियार के मकान से संदीप शर्मा के मकान तक किया गया है, जिसने इस क्षेत्र में आवागमन और जल निकासी की समस्या को स्थायी रूप से हल कर दिया है। लोकार्पण कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि श्री जे0 पी0 एस0 राठौर का स्वागत एस सी एस टी आयोग के सदस्य उमेश कठेरिया और पूर्वी मण्डल अध्यक्ष जयदीप चौधरी ने भगवान श्री राम की फोटो और अंगवस्त्र पहनाकर किया। मंडल मंत्री गीता दोहरे और अन्य भाजपा पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना और अन्य पदाधिकारियों का पुष्प माला से अभिनंदन किया।प्रभारी मंत्री श्री राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार प्रदेश के हर नागरिक को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह नव-निर्मित सड़क न केवल कॉलोनी में आवागमन को सुगम बनाएगी, बल्कि निवासियों के जीवन स्तर को भी ऊपर उठाएगी। उन्होंने इस विकास कार्य को साकार करने के लिए स्थानीय विधायक और महापौर के प्रयासों की विशेष सराहना की। लोकार्पण के पश्चात, सभी गणमान्य अतिथियों ने सड़क का निरीक्षण किया और स्थानीय निवासियों से बातचीत की। कॉलोनी वासियों ने पक्की सड़क और नाली की सुविधा मिलने पर जनप्रतिनिधियों का भावभीना धन्यवाद ज्ञापित किया और अपनी खुशी जाहिर की। इस अवसर पर डॉ. उमेश गौतम (महापौर बरेली), एस0सी0एस0टी आयोग के सदस्य उमेश कठेरिया, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, पूर्वी मण्डल अध्यक्ष जयदीप चौधरी, पूर्वी मण्डल प्रभारी शिव कुमार महेश्वरी, मण्डल महामंत्री सचिन वर्मा, ठाकुर ओम प्रकाश सिंह, पूर्वी मण्डल मंत्री गीता दोहरे, सुशील गुप्ता, और राजेश पटेल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता एवं प्रभारी मंत्री,जे0 पी0 एस0 राठौर ने किया सी. सी. रोड और इंटरलॉकिंग पटरी निर्माण कार्य का लोकार्पण

24 घंटे धरना देने के बाद किसानों को उनकी फसल का सही दाम मिला

शर्तों के अनुसार कच्चें आढ़तियों ने किसानों की सारी फसलों को तौल दिया

यूसीएफ के 17 कांटों पर भी किसानों के फसलों को तौला जा रहा

द डेस्प्रिंग

सितारगंज / रामप्रताप भारद्वाज । नई मंडी समिति में 24 घंटे धरना देने के बाद किसानों को उनकी फसल का सही दाम मिल गया। शर्तों के अनुसार कच्चें आढ़तियों ने किसानों की सारी फसलों को तौल दिया। शनिवार को धरना समाप्त करने के बाद कच्चें आढ़तियों ने मंडी समिति में खड़ी किसानों की करीब 140 धान की ट्रालियों की बोली लगाई। फिर, रविवार को करीब 60 ट्रालियों की बोली लगाई गई। इधर, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के तीन कांटों सहित अतिरिक्त तीन कांटों पर किसानों की फसल की तुलाई जारी है। वहीं, यूसीएफ के 17 कांटों पर भी किसानों के फसलों को तौला जा रहा है। एसएमओ विनय चौधरी ने बताया कि तौल शुरू होने से अब तक करीब 51588 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। वहीं, मंडी सचिव विनोद पलड़िया ने बताया कि कच्चे आढ़तियों ने अब तक करीब डेढ़ लाख क्विंटल धान की खरीद कर ली है।

सौरभ सिंघल, अध्यक्ष राइस मिल एसोसिएशन, सितारगंज

कांटे-बांट और लेबरों की व्यवस्था कराई जा रही है। सोमवार से मंडी में ही सभी 35 कच्चें आढ़तियों के कांटे को स्थापित किया जाएगा। जहां किसानों की 17 से कम नमी वाले फसलों की तौल की जाएगी।

मनियां स्थित नेशनल हाइवे की टूटी डिवाइडर रैलिंग बनी परेशानी का सबब

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

जिले के मनियां कस्बे में जीटी रोड स्थित डिवाइडर रैलिंग से वाहन टकरा जाने के कारण काफी समय से टूटी पड़ी है। एक हिस्सा सड़क पर कई दिनों से टूटा पड़ा था जिसे नजदीकी दुकानदारों द्वारा वहां से हटा दिया गया है। जिसके कारण यहां से निकलने वाले दुपहिया एवं चार पहिया वाहन चालक कभी भी हादसे का शिकार हो सकते हैं, लेकिन जिम्मेदारों की नींद नहीं टूटी है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि एनएचएआई किसी हादसे के इंतजार में है। नगर पालिका क्षेत्र मनियां के मांगरोल चौराहे के सामने टूटी पड़ी डिवाइडर रैलिंग के कारण यहां घण्टों भर जाम लगा रहता है जिसके चलते कभी भी हादसा हो सकता है। बड़े वाहन चालकों को टूटे पड़े डिवाइडर रैलिंग की वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि रेलिंग के टूटे वाले हिस्से से होकर निकलने वाले मोटरसाइकिल चालक की वजह से बड़े वाहन एवं ट्रक चालकों को अचानक लगाना पड़ता है जिसके कारण कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने बताया हमारे द्वारा कई बार एनएचएआई की हाईवे पेट्रोलिंग वाहन को टोल फ्री नंबर पर सूचित कर दिया गया, लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। टूटे पड़े रेलिंग से अचानक कोई मोटरसाइकिल चालक एवं चार पहिया वाहन चालक निकालते रहते हैं, जिसके कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। और कहा वाहन चालक के सामने अचानक सड़क पर टूटी पड़ी रैलिंग देखकर हड़बड़ाहट में वाहन को मोड़ना पड़ जाता है। ऐसे में पीछे से आने वाला वाहन कभी भी हादसे का कारण बन सकता है। नेशनल हाइवे से अनेक जिला स्तरीय अधिकारी और पालिका के जिम्मेदार निकलते रहते हैं, लेकिन अब तक संज्ञान नहीं लिया गया है, जो कभी भी हादसे का सबब बन सकता है।

हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

ललित गर्ग

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है।

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला जहर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है। प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है।

दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गईं, स्मॉग टावर लगाए गए और 'ग्रीन दिल्ली ऐप' के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है।

हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दशार्ता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरूआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहाँ प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके।

इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता-स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों। क्योंकि प्रकृति का शोषण नहीं, संरक्षण ही सभ्यता की पहचान है और यदि हमने हवा को जहर बना दिया तो हमारे सारे विकास के प्रतीक बेमानी हो जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

देश आपातकाल से पांच दशक आगे

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था। इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्यायित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी मूक क्रांति को सच कर दिखाया है। यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का सर्वथा नया दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पए ट्रांसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया। राज्य क्या देश के स्तर पर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही हैं। वस्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट स्तर पर बीते कुछ महीनें में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही।

छठ : आस्था,सेवा और समर्पण का महापर्व

विनोद कुमार सिंह

भारत की संस्कृति और सभ्यता की पहचान उसके पर्व-त्योहारों से होती है।यहां हर पर्व किसी न किसी सामाजिक,आध्यात्मिक,सांस्कृतिक या प्राकृतिक भावना से जुड़ा होता है।छठ महापर्व,जो न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है,बल्कि सेवा, समर्पण,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला लोकपर्व भी है।यह पर्व उस जनमानस की जीवंत परंपरा है जिसने सूर्य देव और प्रकृति को अपना आराध्य माना और मानव जीवन को उनके अनुग्रह से जोड़ दिया।

छठ पर्व की पृष्ठभूमि-छठ पर्व की परंपरा वैदिक काल से जुड़ी मानी जाती है। ऋग्वेद में सूर्योपासना के मंत्रों का उल्लेख मिलता है,जहाँ सूर्य को ऊर्जा,आरोग्य और जीवन का स्त्रोत बताया गया है। रामायण और महाभारत में भी सूर्य पूजन की परंपरा का उल्लेख हैं कि अयोध्या लौटने के बाद जब भगवान श्रीराम और माता सीता ने राज्याभिषेक के उपरांत सूर्य देव की आराधना की, तभी से यह परंपरा लोकजीवन में स्थापित हुई। वहीं दूसरी ओर महाभारत में कुंती द्वारा सूर्य देव की पूजा कर कर्ण की प्राप्ति का प्रसंग भी छठ व्रत की आध्यात्मिक जड़ें बताता है।छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पवित्रता, संयम और निष्ठा का पर्व है।इस पर्व में दिखावे या वैभव का स्थान नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धता औरनिस्वार्थ भावना का वर्चस्व होता है।छठव्रती (मुख्यतः महिलाएं,परंतु पुरुष भी करते हैं)चार दिनों तक कठिन तपस्या के समान नियमों का पालन करती हैं।

1.नहाय-खाय-पहले दिन घर की शुद्धि होती है,व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करती हैं।
2.खरना-दूसरे दिन निर्जला व्रत के बाद सूर्यास्त पर गुड़-चावल की खीर का प्रसाद ग्रहण किया जाता है।
3. संध्या अर्घ्य- तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाता है।
4.उषा अर्घ्य-चौथे दिन उदितमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की पूणार्हुति होती है।

सेवा और समर्पण की अनूठी व अनोखी मिसाल -छठ पर्व में सेवा का भाव सर्वोच्च होता है।व्रती महिला के चारों ओर पूरा परिवार एक सेवक की तरह जुड़ जाता है। बच्चे, बुजुर्ग,पुरुष,सब किसी न किसी रूप में इस अनुष्ठान के सहयोगी बनते हैं।कोई प्रसाद बनाता है, कोई घाट सजाता है,तो कोई सूप और दौरा तैयार करता है।यह सामूहिकता और सेवा भाव भारतीय परिवार प्रणाली की सबसे सुंदर झलक पेश करता है।

छठ घाट पर सूर्य को अर्घ्य देते समय जब महिलाएं जल में कमर तक डूबी खड़ी होकर ह्यउठे सुगवा धनुष सेह्न या ह्यकांच ही बांस के बहंगियाह्न जैसे लोकगीत गाती हैं,तब लगता है जैसे सम्पूर्ण प्रकृति उनके साथ इस आराधना में सम्मिलित हो गई हो। यह दृश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की चरम अभिव्यक्ति है।

प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े रहस्य -छठ पर्व का हर पहलू प्रकृति से गहराई से जुड़ा है।पूजा में प्रयोग होने वाली प्रत्येक सामग्री-गन्ना, केला, नारियल, अदरक, सुथनी, मूली,दीपक,घी,मिट्टी,सूप, डलिया – सब प्रकृति की देन हैं। यही कारण है कि यह पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और संतुलन का संदेश देता है।

छठ पर्व हमें सिखाता है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन ही जीवन का आधार है।सूर्य को अर्घ्य देना,जल में खड़े होकर प्रार्थना करना -यह सब प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है।

सामाजिक एकता और समानता का पर्व-छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि यह जाति, धर्म, वर्ग, लिंग या क्षेत्र की सीमाओं से परे है। इस पर्व में सबका स्थान समान है। अमीर-गरीब,ग्रामीण-शहरी,सब एक ही घाट पर खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं।यहाँ न कोई ऊँच-नीच,न कोई भेदभाव - यही तो भारत की असली पहचान है।छठ पर्व ने बिहार और पूर्वांचल की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाई दी है।अब यह केवल बिहार या पूर्वी भारत का पर्व नहीं रहा; यह देश-विदेश में रहने वाले भारतीयों की भावनाओं का प्रतीक बन चुका है।

लोकगीतों में बसती है छठ की आत्मा-छठ पर्व लोकगीतों के बिना अधूरा है।हर अनुष्ठान, हर विधि, हर भावना लोकगीतों के माध्यम से व्यक्त होती है।गीतों में भक्ति, मातृत्व,सेवा,और सामाजिक संवेदना का संगम होता है।महान लोक गायिका शारदा सिन्हा की मधुर आवाज में जब ह्लकेलवा के पात पर, उगेलन सूर्य देवह्न गूंजती है,तो घर-घर में छठ का वातावरण जीवंत हो उठता है।यही गीत छठ पर्व की आत्मा बन जाते हैं नजो न केवल सुनने वाले को भावविभोर करते हैं,बल्कि उसे अपनी जड़ों से जोड़ देते हैं।आज जब लाखों बिहारी और पूर्वांचली लोग देश-विदेश में बसे हैं, तो छठ उनके लिए केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन गया है। चाहे वह दिल्ली,मुंबई, कोलकाता,दुबई या न्यूयॉर्क क्यों न हों - प्रवासी बिहारी अपने छोटे से तालाब या कृत्रिम घाट बनाकर छठ मनाते हैं। उनके लिए यह केवल पूजा नहीं, बल्कि घर की याद और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है।छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, सेवा, समर्पण और पर्यावरण चेतना का विराट संगम है।यह हमें सिखाता है कि जीवन में तप, संयम और श्रम का कितना महत्व है।यह पर्व नारी शक्ति के धैर्य,श्रद्धा और त्याग की सर्वोच्च मिसाल प्रस्तुत करता है।सूर्योपासना के माध्यम से यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर अस्त नया उदय लेकर आता है - हर अंधकार के बाद प्रकाश का जन्म होता है।छठ केवल पूजा नहीं, यह प्रकृति,परंपरा और परमात्मा के बीच आत्मिक संवाद है -जो हमें बार-बार अपने मूल की ओर लौटने का संदेश देता है।

नोट -लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।

चिंतन-मनन

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पंसद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशांसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का का नाश हुआ।

कार्बाइड गन से भारत में हजारों लोग अंधे?

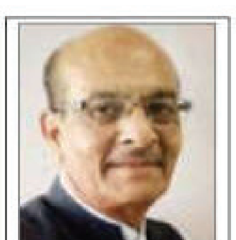

सनत जैन

भारत में तकनीक और नवाचार के नाम पर कई बार ऐसी जीजें प्रचलन में आ जाती हैं जो दिखने में साधारण और बड़े काम की लगती हैं, लेकिन आगे चलकर वो समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाती हैं। 'कार्बाइड गन' इसका ताजा उदाहरण है। मूल रूप से यह गन पक्षियों और जानवरों को भगाने के लिए उपयोग में लाई जातीं थीं। दीपावली के अवसर पर हाल के दिनों में यह गन मासूम बच्चों और आम नागरिकों की जान और आंखों की रोशनी छीनने का कारण बन रही हैं। दीपावली के अवसर पर देशभर में इस कार्बाइड गन को जिस तरह से पटाखे के रूप में उपयोग किया गया है। बच्चों और आम नागरिकों के हाथ में यह गन थी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में इसका उपयोग किया गया। उसके कारण दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, सहित कई राज्यों में हजारों लोगों की आंखों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इससे सेकड़ों लोग स्थाई रूप से अंधे हो गए हैं। हजारों लोग अस्पताल में आंखों का इलाज करा रहे हैं। इस कार्बाइड गन को लोगों ने जुगाड़ से भी तैयार किया। जब इसे उपयोग में लाया गया, तो सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई कई घटनाओं के बाद सरकार ने इसे घातक घोषित करते हुए, प्रदेश में कार्बाइड गन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस गन को 'घातक विस्फोटक उपकरण' की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने यदि कोई भी व्यक्ति इस गन को बनाता, खरीदता या बेचता है तो उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट 1959, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नियम में जो परिवर्तन किया गया है, उसके बाद कार्बाइड गन बेचने वालों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह सख्त कदम समय की मांग थी। मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्यवाही करते हुए इस पर रोक लगाने का काम किया। कार्बाईड गन से भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और जबलपुर जैसे जिलों में गनों से किए गए विस्फोट के कारण बच्चों की आंखें जलने और किए गए विस्फोट के कारण स्थायी अंधेपन के कई मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 10 लोगों की आंखें पूरी तरह से खराब हुई है। इनमें से चार लोगों की सर्जरी की गई है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 150 लोग और पटना के 50 से अधिक लोग इस गन के विस्फोट से घायल हुए हैं। कार्बाइड गन प्लास्टिक के साधारण से पाइप में तैयार हो जाती है। गैस लाइटर, कैल्शियम और कार्बाइड से तैयार कर इसे आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है। कार्बाइड का उपयोग फलों को पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए उपयोग में होता है। जो सभी शहरों में आसानी से उपलब्ध है। यह गन 150 रुपए से लेकर 2000 रुपये तक में आसानी से देश भर में उपलब्ध थी। इस बार पटाखों की दुकानो और ऑनलाइन इस गन को बेचा गया है। सोशल मीडिया की इसमें बड़ी भूमिका थी। दीपावली के अवसर पर इसका बड़े पैमाने पर विस्फोटक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े और कार्बाइड धुयें के कारण हजारों लोगों की आंखों को नुकसान पहुंचा है। सैकड़ों लोगों की आखों की रोशनी चली गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर यह खतरनाक गन 1300 से 2500 रुपये में खुलेआम आज भी बिक रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस गन का उपयोग 'खरगोश भगाने वाली गन' या 'काबूम पाइप' जैसे नाम से होता है। सच्चाई यह है, इसमें उपयोग होने वाला कार्बाइड और पानी का मिश्रण गैस विस्फोट पैदा करता है। जो तेज आवाज के साथ खतरनाक आग और दबाव उत्पन्न करता है। जिसका असर काफी दूर तक होता है। इसी विस्फोट से बच्चों और किसानों के गंभीर रूप से झुलसने के कई मामले सामने आए हैं। मध्य प्रदेश सरकार का यह प्रतिबंध सराहनीय है। केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है, जमीनी स्तर पर निगरानी रखी जाए। संपूर्ण देश में ऑनलाइन बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। कार्बाइड गन बनाने और इसके उपयोग करने के लिए नियम तैयार किए जाएं। इसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय की बड़ी भूमिका होगी। पुलिस ओर साइबर टीम को सभी राज्यों में निगरानी के लिए सक्रिय करना होगा। ग्रामीण और शहरी स्कूलों में जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाए। यह गन कोई खिलौना या फटाका नहीं है। कार्बाइड गन एक विस्फोटक यंत्र है। भारत को इस तरह के खतरनाक आविष्कारों के खिलाफ सख्त निगरानी रखनी होगी। तकनीक तभी उपयोगी है, जब वह सभी के लिए सुरक्षित हो। वरना जिस तरह से कार्बाइड गन का उपयोग हुआ है, वह मानवता के लिए अभिशाप है। कार्बाइड गन पर प्रतिबंध सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा की दिशा में सरकार का बेहतर निर्णय माना जाएगा। सभी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को इस मामले में गंभीरता से कार्यवाही करने की जरूरत है।

सुभाष नगर में नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया गया – डॉ. अनीस बेग ने की सराहनीय मेजबानी

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो बरेली) । सुभाष नगर क्षेत्र में आज धार्मिक उत्साह और भाईचारे का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकले नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया गया। क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. अनीस बेग ने श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा और जलपान वितरण के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया।सुबह से ही क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। कीर्तन दल जब गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी साहिब के साथ सुभाष नगर से गुज़रा, तो जगह-जगह संगतों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धा प्रकट की। ढोल-नगाड़ों और 'जो बोले सो निहाल' के

जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा डॉ. अनीस बेग ने कहा कि गुरु नानक देव जी का संदेश मानवता, समानता और सेवा का है, जिसे समाज में हर धर्म, हर वर्ग को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में प्रेम, शांति और आपसी सौहार्द का संदेश देते हैं। मैक्सा लाइफ हॉस्पिटल की टीम ने नगर कीर्तन में शामिल श्रद्धालुओं को जलपान, ठंडा पानी और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई। आसपास के लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और इस आयोजन का हिस्सा बने। सुभाष नगर में डॉ. अनीस बेग द्वारा किया गया यह स्वागत क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों ने कहा कि यह उदाहरण समाज में धर्मनिरपेक्षता और एकता की भावना को और मज़बूत करता है। यह आयोजन न केवल श्रद्धा का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक सौहार्द और मानवता की मिसाल भी पेश की।मनजीत सिंह नागपाल गुरुद्वारा सुभाष नगर सिंहसभा प्रबंधक अध्यक्ष . सेक्रेटरी प्रदमान सिंह. गुरुविंदर सिंह. रवि अरोड़ो. भूपेंद्र सिंह सनी. मिंटू चावला. साहिब सिंह होरा. हरभजन सिंह मौंग. हरप्रीत सिंह गोलू. इंद्रपाल सिंह गोल्डी. सनी सिंह. सुरजीत सिंह. अमरीक सिंह. मंगे सिंह. आदित्य कश्यप. जबल अहमद. साहिब सिंह. मोनू सिंह. महानगर सचिव ऋषि यादव समाजसेवी दिलीप कुमार पूर्व पार्षद अब्दुल जब्बार आदि रहे सिख धर्म के गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व पर सुभाष नगर गुरुद्वारा सिंहसभा से नगर कीर्तन शोभा यात्रा सुभाष नगर से होते हुए चौकी चौराहा. बरेली कॉलेज. अजूबा चौराहा. से होते हुए चौराहा गुरुद्वारे में खुशियों से समापन किया जाता है

नेछवा में धार्मिक कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन

द डेस्प्रिंग

सीकर / नरेश सैन । नेछवा में होने जा रहे धार्मिक कार्यक्रम एवं भागवत कथा के लिए पंचम नाथ जी द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कार्ड वितरण भी किया गया, जिसमें गांव सेवद बडीऔर छोटी सेवद के ग्रामीण शामिल हुए। इसमें नथमल शर्मा जीतू शर्मा सरपंच राकेश कुमार रतनलाल शर्मा विमल शर्मा श्यामलाल शर्मा रामावतार जांगिड़ रामदेव कुल्हारी प्रमोद काबरा किशोर सेन उपस्थित रहे पंचम नाथ जी के सानिध्य में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में कई ग्रामीण उपस्थित हुए और पोस्टर विमोचन में भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों में धार्मिक जागरूकता और उत्साह का संचार हुआ। यह धार्मिक कार्यक्रम नेछवा के ग्रामीणों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें वे अपने धर्म और संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और धार्मिक गतिविधियों में भाग ले सकते ।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने खाटूश्यामजी में विकास कार्यों का लिया जायजा

बाबा श्याम के किए दर्शन

द डेस्प्रिंग

सीकर । जिले के खाटूश्यामजी कस्बे में प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी रविवार को खाटूश्यामजी पहुँची। उन्होंने श्याम दरबार में बाबा श्याम के दर्शन करते हुए प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके बाद स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 52 बीघा पार्किंग व आसपास चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम ने व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अब तक हुए कार्यों का कोई स्पष्ट प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। दांता रोड़ पर प्रस्तावित कार्यों की उपयोगिता पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बजट का सदुपयोग खाटूश्यामजी की आंतरिक व्यवस्थाओं में होना चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं को फायदा मिले। दीया कुमारी ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार,उपखंड अधिकारी, ईओ, डीवाईएसपी सहित संबंधित अधिकारियों को मंगलवार को जयपुर बुलाया है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी योजनाओं की विस्तृत प्लानिंग के साथ उपस्थित हों ताकि खाटूश्यामजी के समग्र विकास की दिशा में प्रभावी निर्णय लिए जा सकें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पुष्कर का विकास हुआ है, उसी तर्ज पर खाटू धाम का भी विकास होगा और आगामी बजट में इसके लिए प्रावधान किया जाएगा। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चौहान, मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष कालू सिंह चौहान व पूर्व अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान व पदाधिकारियों ने डिप्टी सीएम का सम्मान किया। इस दौरान अधिकारी व जनप्रतिनिधि भी मौके पर उपस्थित रहे।

40 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर अपराधी बंटू उर्फ गजेन्द्र एक अवैध कट्टा मय 06 जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार

इनामी अपराधी धर्मेन्द्र उर्फ लुक्का गैंग का सक्रिय सदस्य, अपराधी तहसीला उर्फ तहसीलदार का भी रह चुका साथी

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

कोतवाली थाने का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है बन्टू उर्फ गजेन्द्र, अपराधी बन्टू उर्फ गजेन्द्र के विरूद्ध विभिन्न थानों में 17 प्रकरण डकैती, लूट, चोरी, पुलिस मुठभेड़, हत्या का प्रयास, राजकार्य में बाधा व अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं, गांव बडापुरा से चम्बल नदी की तरफ जाने वाले रास्ते के पास जंगल से इनामी अपराधी बन्टू उर्फ गजेन्द्र को धर दबोचा, इनामी अपराधी के कब्जे से एक कट्टा 315 बोर मय 06 जिंदा कारतसू व एक पॉवर बाइक (अपाची) को किया जब्त, आंगई थाना पुलिस जाप्ता पर जान से मारने की नियत से फायर कर राजकार्य में बाधा डालने व सरकारी वाहन को क्षतिग्रस्त करने व पुलिस थाना कोतवाली के हत्या के प्रयास के मामले में वक्त घटना से फरार था आरोपी। कार्यवाही विवरण- भरतपुर महानिरीक्षक पुलिस रेंज भरतपुर कैलाश चन्द विश्नोई (आईपीएस) एवं धौलपुर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान (आईपीएस) द्वारा इनामी एवं फरार अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के मध्येनजर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धौलपुर मनोज शर्मा आरपीएस के निर्देशन में तथा मुनेश मीना आरपीएस वृत्ताधिकारी वृत्त धौलपुर के निकटतम सुपरविजन में पुलिस थाना कोतवाली थानाधिकारी हरिनारायण मीना पुलिस निरीक्षक मय थाना जाप्ता द्वारा थाना आंगई पुलिस जाप्ता पर जान से मारने की नियत से फायर कर राजकार्य में बाधा डालने व सरकारी वाहन को क्षतिग्रस्त करने के मामले में एवं पुलिस थाना कोतवाली के हत्या के प्रयास के मामले में वक्त घटना से फरार 40 हजार रूपये के इनामी अपराधी बन्टू उर्फ गजेन्द्र जो धर्मेन्द उर्फ लुक्का गैंग के सक्रिय सदस्य रहे। इनामी अपराधी तहसीला उर्फ तहसीलदार का साथी रहा है। उसको मुखबिर की सूचना पर चम्बल नदी को जाने वाले रास्ता के पास गांव बडापुरा के जंगल से पुलिस थाना कोतवाली की टीमों द्वारा उक्त इनामी बदमाशों को घेरा देकर पकड़ने का प्रयास किया। तो बदमाश पॉवर बाइक (अपाची) को लेकर बडापुरा के जंगल की तरफ भाग गया। जिसका टीम के सदस्य रामपाल कांस्टेबल, राजवीर व पप्पू द्वारा पीछा करते हुए अदम्य साहस का परिचय देते हुए भागकर इनामी बदमाश को दबोचा। बदमाश के शरीर पर मोटरसाइकिल को लेकर भागते समय गिरने पड़ने से चोटें आई हैं। इनामी बदमाश की तलाश के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध कट्टा 315 बोर मय 06 जिंदा कारतूस मिला। जिस पर थाना पर आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज कर मुल्जिम से गहनता से पूछताछ व अनुसंधान जारी है।

पत्नी व पुत्री को भरण पोषण नहीं देने के कारण पति के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी

द डेस्प्रिंग

अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट संख्या 5 जोधपुर महानगर के माननीय कोर्ट ने निहाल कंवर पत्नी चेतन सिंह और पुत्री नाबालिक ने अपने अधिवक्ता भवानीसिंह भलासरिया के मार्फत घरेलू हिंसा अधिनियम की धारा 12 और 23 का प्रार्थना पत्र पेश किया और न्यायालय को बताया कि दोनों की शादी 27.6.2010 को हुई है और एक पुत्री का जन्म हुआ है जो ना बालिक है चेतन सिंह पुत्र ओंकार सिंह, उर्मिला पत्नी ओंकार सिंह, वीरेंद्र सिंह उर्फ भारत सिंह पुत्र ओंकार सिंह , गुड़िया कंवर पत्नी भारत सिंह निवासी भगोड़ा तहसील मारवाड़ जंक्शन जिला पाली को नोटिस जारी किए, नोटिस सभी को तमिल होने के बाद सभी की ओर से जवाब प्रस्तुत हुआ और धारा 23 पर सुनी की गई, काफी लंबे समय से पत्नी नाबालिक पुत्री को भरण पोषण नहीं देने के कारण माननीय न्यायालय ने वसूली वारंट जारी किया , ओर न्यायालय ने अब अदम वसूली गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं पत्नी और उनकी नाबालिक पुत्री की ओर से अधिवक्ता भवानी सिंह भलासरिया ने न्यायालय को बताया गया कि पत्नी और पुत्री किराए के मकान पर निवास करती है , परिवादिया के सोने के दो बाजु ,गले की आड़, सोने की राकड़ी, गले का हार, सोने के झुमके, सोने की पु@,जो करीबन 15 तोला सोना के जेवरात, और चांदी के गहने अपरार्थिगण सभी ने हड़प्प लिया और स्त्रीधन करीब करीब 3 लाख का था वह भी सभी जानो ने हड़प लिया, गांव में ससुराल वालों के पूर्वजों का एक बेरा है जिसमें कृषि कार्य किया जा रहे हैं उसको भी बेच दिया ,अभी जो पीछे एक बेरा और बचा हुआ है उसको भी बेचने पर तुले हुए है ,आज दिन तक किसी प्रकार का भरण पोषण नहीं दिया है नहीं कोई गांव की जमीन में हिस्सा दिया है, उपरोक्त सभी जमीन पर देवर भारत सिंह और सासू ही संपूर्ण आमदनी लेते हैं पति चेतन सिंह रिलायंस शोरूम सूरत में काम करता है जो प्रतिमाह करीबन 45000 रुपए कमाता है गांव में भी पक्के मकान बने हुए हैं और और दो ट्रैक्टर है एक पानी का टैंकर है एक कैंपर गाड़ी है उससे भी सालाना करीबन 4 लाख रुपए की आमदनी होती है और सभी ने सोना चांदी की गहने भी उपरोक्त सभी ने मारपीट कर घरेलू हिंसा कारित की हे परिवादिया और उसकी नाबालिक पुत्री को घर से निकाल दिया है, उपरोक्त अधिवक्ता भवानीसिंह भलासरिया के तर्कों को मानते हुए माननीय न्यायालय ने भरण पोषण के आदेश दिए, आदेश होने के बावजूद भरण पोषण नहीं देने के कारण 6(5) घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत प्रार्थना पत्र पेश करने पर वसूली वारंट जारी किए हैं अदम वसूली गिरफ्तारी वॉरंट चेतन सिंह पुत्र ओंकार सिंह निवासी भगोड़ा तहसील मारवाड़ जंक्शन जिला पाली के विरुद्ध जारी किया है ।

ओउमाश्रय सेवा धाम में श्रद्धा, संस्कार और सेवा का संगम

द डेस्प्रिंग

जयपुर । ओउमाश्रय सेवा धाम में रविवार का दिन श्रद्धा और सेवा भाव से सराबोर रहा। यज्ञशाला में विभिन्न परिवारों ने आहुतियां दीं और पुण्य कार्यों में भाग लिया। स्व. कन्हैयालाल गर्ग (आगरा) की चौथी पुण्यतिथि पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमति शारदा गर्ग, पुत्र पवन कुमार, सुशील गर्ग सहित परिवारजनों ने शांति यज्ञ कर दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। परिजनों ने प्रभुजनों को भोजन प्रसादी – खीर, इमरती, केले की सौंठ आदि वितरण की तथा ?6200 की भेंट दी। विद्युत विभाग के ए.ई.एन. संदीप उपाध्याय एवं श्रीमति मीनाक्षी शर्मा (मालवीय नगर) की सुपुत्री आयुष्मति हर्षाली शर्मा के जन्मदिवस पर ओउमाश्रय स्वस्ति यज्ञ में आहुतियां दी गईं। अनुजा खुशाली सहित परिजनों ने पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अभिषेक विजय एवं धर्मपत्नी श्रीमति सुनीता विजय (नर्सिंग ऑफिसर, पीएचसी मुहाना) ने यज्ञ में भाग लेकर खाद्य सामग्री भेंट की। वहीं, निरंजन प्रभुजी की माताजी श्रीमति सफेदी, विष्णु एवं लोकेश केले और सेव लेकर पहुंचे। संचालन सहयोगी भगवानदास गर्ग ने गिलहरियों व चिड़ियों के लिए बिस्किट भेंट किए। ओउमाश्रय परिवार की ओर से सभी सेवाभावियों को हार्दिक धन्यवाद और शुभकामनाएं दी गईं।

152 ग्राम मौली पाउडर जब्त, 2 लोगो को किया गिरफ्तार,स्कोडा कार की ज़ब्त

द डेस्प्रिंग

चितौड़गढ़ / फ़रीद खान । जिले की निंबाहेड़ा कोतवाली थाना पुलिस ने 152 ग्राम अवैध एमडीएमए (मौली) पाउडर के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार कर कार को जब्त किया हैं। एसपी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन एवं डीएसपी बद्रीलाल के सुपरविजन में थानाधिकारी रामसुमेर मीणा मय जाप्ता एएसआई सूरज कुमार, हैड कांस्टेबल हरविन्द्र सिंह, कांस्टेबल रणजीत, रामकेश, सुभाष, राकेश, हेमन्त एवं चालक बहादुर सिंह की टीम ने जलिया चैक पोस्ट पर नाकाबन्दी की। इस दौरान 31 वर्षीय अमीर खान पुत्र इलियास खान निवासी बालाराम की कुटिया नागदा जिला उज्जैन एवं फय्याज खान पुत्र फिरोज खान निवासी चेतनपुरा नागदा जिला उज्जैन के कब्जे शुदा कार की तलाशी ली। कार के डेस्क बोर्ड से 152 ग्राम एमडीएमए मौली पाउडर मिला। इस पर पुलिस ने कार जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के विरूद्ध पूर्व में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के दो-दो प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

आत्मनिर्भर संकल्प अभियान, बूथ अध्यक्ष सम्मान समारोह और दीपावली स्नेह मिलन मांडलगढ़ में आयोजित

द डेस्प्रिंग

भीलवाड़ा/फ़रीद खान। जिले के मांडलगढ़ में रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'आत्मनिर्भर संकल्प अभियान', 'बूथ अध्यक्ष सम्मान समारोह' और 'दीपावली स्नेह मिलन' का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।इस मोके पर, पार्टी के संगठनात्मक ढांचे की नींव माने जाने वाले भाजपा बूथ अध्यक्षों एवं शक्ति केंद्र कार्यकर्ताओं को उनके समर्पण और महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने ओजस्वी उद्बोधन दिया उन्होंने अपने ओजस्वी उद्बोधन से कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा। उन्होंने कहा, "बूथ अध्यक्ष हमारी पार्टी की धुरी हैं। केंद्र और राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम हमारे ये कर्मठ कार्यकर्ता ही करते हैं।"विधायक खंडेलवाल ने 'आत्मनिर्भर संकल्प अभियान' पर बोलते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी का 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना हमारे हर कार्यकर्ता का संकल्प है। मांडलगढ़ विधानसभा को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमें हर क्षेत्र में काम करना होगा, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो या रोजगार। हमें संकल्प लेना है कि हम अपने क्षेत्र को विकास के हर पैमाने पर अग्रणी बनाएंगे।" उन्होंने दीपावली स्नेह मिलन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "यह स्नेह मिलन हमें संगठनात्मक एकता और पारिवारिक भावना को मजबूत करने का अवसर देता है। हम सब एक परिवार हैं, और इस एकता के बल पर ही हम आने वाली सभी चुनौतियों का सामना करेंगे।" उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुटता के साथ राष्ट्र निर्माण और क्षेत्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।मुख्य अतिथि अनिता भदेल ने भी सभी सम्मानित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और विधायक खंडेलवाल के विचारों का समर्थन करते हुए आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की भूमिका पर जोर दिया।

हाल ही में हुए चयन पर स्वागत-सम्मान

इसी क्रम में, हाल ही में विधानसभा क्षेत्र के रस (RAS) में चयन हुए हेमा धाकड़, दीपक गाडोलिया और नरेंद्र गुर्जर का भी मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल के नेतृत्व में स्वागत-सम्मान किया गया। विधायक खंडेलवाल ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, पूर्व विधायक बद्री गुरुजी, उप जिला प्रमुख शंकर गुर्जर, पूर्व प्रधान राधा देवी, नगरपालिका अध्यक्ष संजय डांगी, मांडलगढ़ विधानसभा संयोजक अनिल पारीक, जिला उपाध्यक्ष विशाल गुरुजी, जिला मंत्री ललिता कंवर राणावत, उप प्रधान कोटडी कैलाश सुथार, जिला परिषद सदस्य हरिलाल जाट, पंचायत समिति सदस्य दिलीप सिंह, मांडलगढ़ नगर मंडल अध्यक्ष अशोक जीनगर, बिजौलिया मंडल अध्यक्ष राजेंद्र बंजारा, मांडलगढ़ ग्रामीण श्यामलाल अहीर, नंदराय मंडल अध्यक्ष प्रकाश सांगावत, महुआ मंडल अध्यक्ष बृजमोहन शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यनारायण उपाध्याय, रघुवीर सिंह शक्तावत, हरीश भट्ट, गोवर्धन वैष्णव, बिजौलिया पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूजा चंद्रवाल, मांडलगढ़ पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विनोद ओस्तवाल, राजकुमार आंचलिया, भंवर लाल स्वर्णकार, मनोज सनाढ्य, अर्जुन ब्रह्मभट्ट, लादूलाल खटीक, अनीता सुराणा, दिलीप सिंधी, अशोक व्यास, मुकेश व्यास, रतन खटीक सहित सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और आगामी संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प लिया।

रिहंद जलाशय में तापीय परियोजना के फ्लाई ऐश राख बहने से नहीं रोका जा रहा राख के भराव से रिहंद जलाशय का शुद्ध जल अशुद्ध बन रहा हैं

धीमा जहर अधिशाषी अभियंता ने बताया डी परियोजना का फ्लाई ऐश राख बह रहा हैं ब ताप का

द डेस्प्रिंग

सिंगरौली संवाददाता राहुल कुमार । अनपरा क्षेत्र में रिहंद डैम अनपरा तापीय परियोजना के राख से पटती जा रही है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 30 किमी लंबे व 25 किमी चौड़े इस बांध की 13 जुलाई 1954 को आधारशिला रखी थी और नौ साल बाद सोनभद्र जिले के पिपरी के पहाड़ों के बीच रिहंद नदी को बांधकर तैयार हुए इस बांध का उद्घाटन हुआ था। जलसंग्रहण के लिए बना यह बांध परियोजनाओं की राख से पटता जा रहा है। ओबरा परियोजना की राख का एक हिस्सा सीधे रेणुका नदी और शेष राख ऐशडैम से होकर नाले के जरिए सीधे रेणुका नदी में गिराए जाने को लेकर जिम्मेदार आंख तो मूंदे ही हैं। राज्य सरकार के स्वामित्व वाली प्रदेश की सबसे बड़ी 2630 मेगावाट वाली अनपरा परियोजना का भी यही हाल है। यहां के बेलवादह स्थित ऐशडैम के भराव को लेकर एनजीटी (नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) की टीम 2015 में ही चिंता जाहिर कर चुकी है। 2009 में स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट रिहंद डैम के पानी को मानव जीवन के लिए अयोग्य घोषित कर चुकी है। बावजूद अब तक न तो ऐशडैम से राख मिश्रित पानी के रिहंद पानी में हो रहे प्रवाह पर पूरी तरह रोक लग सकी है और न ही जगह-जगह ऐश पाइप टूटने से खेतों में पट रही राख का ही प्रभावी निदान निकाला जा सका है। यह हाल तब है, जब प्रतिष्ठित संस्था सेंटर फॉर साइंस इनवायरमेंट द्वारा 22 फरवरी 2015 को किए गए सर्वे में राज्य सरकार की ओबरा परियोजना को प्रदेश का सर्वाधिक और अनपरा परियोजना का दूसरा सर्वाधिक प्रदूषण उत्सर्जक केंद्र (परियोजना) बताया था। इसके बावजूद स्थिति सुधरने की बजाय बिगड़ी हुई है। अनपरा परियोजना के लिए बने दो ऐशडैम में पहले अनपरा ए, अनपरा बी और अनपरा सी की राख निस्तारित होती थी। अब इसमें एक हजार मेगावाट वाली अनपरा डी की भी राख पहुंच रही है। ऐशडैम करीब-करीब पूरी तरह भर गया है, जिससे परियोजना के जिम्मेदार ऐश पाइप खोलकर रिहंद जलाशय मे बहा रहे है द्य जिम्मेदार प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास के बजाय गैर जिम्मेदार बने हुए है इस सम्बन्ध मे अनपरा तापीय परियोजना के बीटीपीएस के ऐश हैंडलिंग विभाग के इंचार्ज रवि कुरील जिम्मेदारी लेने के बजाय एटीपीएस और डीटीपीएस की लाइन बताकर अपना पल्ला झाड़ लिए द्य परियोजना के सीजीएम जे पी कटियार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि देखवाता हूँ द्य क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी आर के सिंह का कहना है कि देखता हूँ

'वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 27वीं अश्वारूढ़ प्रतिमा का बरेली महानगर टाउनशिप में भव्य अनावरण'

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो, बरेली) । वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप स्मारक समिति महानगर टाउनशिप ने रविवार को महानगर टाउनशिप में महाराणा प्रताप की 12 फुट ऊंची और 31 क्विंटल वजनी अश्वारूढ़ धातु प्रतिमा का भव्य अनावरण किया। उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे. पी. एस. राठौर ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नवाणा (राजस्थान) ने की। इस अवसर पर, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए लेखक पृथ्वीराज सिंह आनंदित की पुस्तक की सराहना की।समिति के प्रभारी एम पी सिंह ने बताया कि बरेली में स्थापित यह प्रतिमा राष्ट्रव्यापी महाराणा प्रताप स्मारक अभियान की 27वीं कड़ी है, जिसका लक्ष्य देश में 500 से अधिक प्रतिमाएं स्थापित करना है। कार्यक्रम में विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, विधायक नवावगंज डॉ. एम.पी. आर्य, दुर्विजय सिंह शाक्य, महापौर डॉ. उमेश गौतम, बहोरन लाल मौर्य, सर्वेश्वर सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, भाजपा नेता योगेश पटेल,अन्य जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहे। समिति के पदाधिकारियों में एम पी सिंह, अजय शर्मा, अमर सिंह परमार, डी0 के0 सिंह, सुशील कुमार सिंह, डा0 अजय सिंह, सुधीर उपाध्याय, डा0 कप्तान सिंह, और बलवीर सिंह, एस0पी0सिंह सहित टाउनशिप के गणमान्य व्यक्ति भारी संख्या मे उपस्थित रहे।

विशेष अभियान एरिया डोमिनेन्स के तहत बून्दी पुलिस की बड़ी कार्यवाही

अवैध हथियार टोपीदार बन्दुक एक नाली सहित एक आरोपी गिरफ्तार

द डेस्प्रिंग

बून्दी/फ़रीद खान । जिले की रायथल थाना पुलिस ने गश्त के दौरान कोटरा दीपसिंह थाना बूढ़ादीत (कोटा) - निवासी बत्तीलाल बावरी को गिरफ्तार कर उसके पास से एक टोपीदार बंदूक और एक नाली बरामद की है।एसपी राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया की विशेष अभियान एरिया डोमिनेन्स के तहत अवैध हथियार, अवैध मादक पदार्थो की तस्करी, अवैध शराब की रोकथाम एवं प्रकरणो एवं न्यायालय से फरार वांछित अपराधियो को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु सभी थानाधिकारीयो को निर्देशित किया गया।जिसमे उक्त निर्देशो की पालना मे ASP उमा शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी एवं डीएसपी आशीष भार्गव के निकटतम सुपरविजन में राजाराम जाट उ0नि0 थानाधिकारी पुलिस थाना रायथल के नेतृत?व पुलिस टीम का गठन किया गया ।

ध्रुव विक्रम को स्टार किड होने का मिला फायदा

अभिनेता ध्रुव विक्रम हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म बाइसन के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 24 अक्तूबर को रिलीज होने वाले तेलुगु संस्करण के प्रचार के सिलसिले में, वे हैदराबाद में थे। अभिनेता विक्रम के बेटे ध्रुव ने स्टार किड होने के बारे में खुलकर बात की और इस किरदार को निभाने के लिए की गई मेहनत के बारे में बताया।

स्टार होने की वजह से मिले कई मौके

ध्रुव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया कि एक स्टार किड होने के नाते उन्हें कई मौके मिले हैं। वह इन मौकों का पूरा फायदा उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सच है कि मैं एक स्टार किड हूं और मुझे मौके मिलते रहते हैं। हालांकि मैं लोगों को स्वीकार करने, मुझे प्यार करने, मेरे काम को पसंद करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं तमिल, तेलुगु और भारतीय सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। इसके लिए मैं काम करता रहूंगा।
फिल्म बाइसन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, बाइसन के बारे में, मैं हमेशा सोचता था कि अगर मेरी जगह कोई ऐसा व्यक्ति होता जो फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आता, तो वह कितना कुछ करता? वह कितना काम करता? मैं इस बारे में और इस फिल्म के लिए मेहनत करता और तैयारी करता। मैंने इस फिल्म को अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की।

फिल्म के बारे में

फिल्म बाइसन का लेखन और निर्देशन मारी ने किया है। फिल्म में ध्रुव और अनुपमा के अलावा पशुपति, अमीर, लाल, राजिशा विजयन और अजगम पेरुमल ने अभिनय किया है। यह कबड्डी खिलाड़ी मनाथी गणेशन के जीवन पर आधारित है और एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो जाति-आधारित भेदभाव को मात देते हुए खेल में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

सिंगल मदर होना आसान नहीं

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है।वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं।
शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं।
उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंततः आपके पास आ ही जाएगा।
क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है। दृढ़ संकल्प के साथ आप सब कुछ संभाल सकते हैं और साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

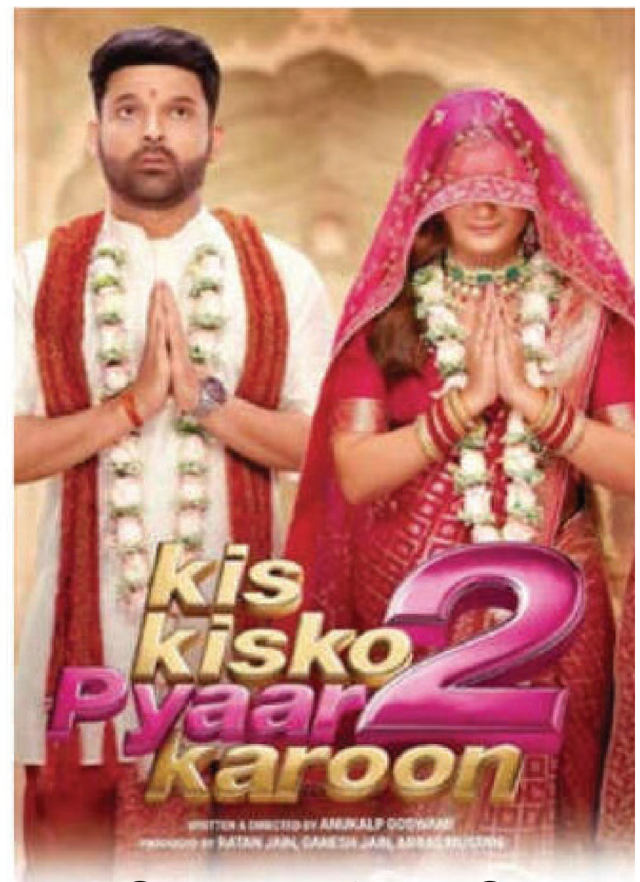

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के रिलीज डेट का एलान

मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म।

कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।
रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं।

'किस किसको प्यार करूं 2' के बारे में

किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चार्मर ने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की। सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा।
चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्वेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।

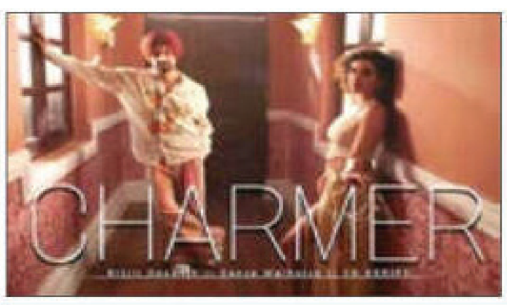

ब्रिटिश शासन पर आधारित पीरियड ड्रामा होगी प्रभास की अगली फिल्म

प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। माना जा रहा है कि इसका टाइटल फौजी होगा। हालांकि नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है 1932 से मोस्ट वांटेड। ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवतः एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं।
इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकानाएं भी दी गई थीं। इससे पहले साझा किए गए पोस्टर में शिलालेख थे, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म में पौराणिक विषयों का समावेश होगा। खबरों के मुताबिक टाइटल की आधिकारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर होगी। खबर है कि मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म में इमानवी मुख्य भूमिका में होंगी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा जैसे कलाकार भी होंगे। संगीत विशाल चंद्रशेखर का है। फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज करने की योजना है।
इस बीच, प्रभास की जनवरी 2026 में एक बड़ी फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन मारुति ने किया है। यह हॉरर-कॉमेडी द राजा साब है, जिसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी हैं।

जीतू अगर मुझसे एक्टिंग सीखता, तो जरूर खराब करता

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर अरशद वारसी ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

मैंने सबसे पहले हमारे डायरेक्टर अक्षय शेरे से स्क्रिप्ट सुनी। कहानी मुझे काफी मजेदार और इंटेंस लगी। स्क्रीनप्ले और कॉन्सेप्ट बहुत मजबूत था। जिस तरह से कहानी बुनी गई थी, उसमें दिलचस्पी जागी। काफी वक्त बाद मुझे एक ऐसा रोल मिला जिसमें मैं ऑफिसर की वर्दी पहन रहा हूं। इससे पहले मैंने 'सहर' फिल्म में एसएसपी अजय कुमार का रोल निभाया था। मेरा बस चले तो ऐसी ही एक वर्दी घर में बनवाकर रख लूं और पहनकर काम पर जाऊं। यह रोल लाइट कॉमेडी और कॉमर्शियल स्पेस में है लेकिन साथ ही थोड़ा इंटेंस भी है।

अरशद, आपके किरदार के अंदर एक आंतरिक संघर्ष चलता है जो फिल्म में नजर आता है। क्या इसके लिए आपने कोई खास तैयारी की?

सच कहूं तो मैंने इसके लिए कोई अलग रिसर्च या खास तैयारी नहीं की। मैं क्यों झूठ बोलूं कि मैं तीन महीने वनवास में चला गया था। जब मैंने कहानी सुनी, तो बस 24 घंटे उस किरदार के बारे में सोचता रहा। फिर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर के साथ बातचीत होती रही कि वो मुझसे क्या चाहते हैं और मैं उस किरदार को कैसे जस्टिफाई करूं। उनसे इनपुट मिलते थे, जिसकी मदद से मैं अपने दिमाग में उस आदमी की एक छवि बना लेता था कि वो ऐसा होगा।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मेरा मानना है कि फिल्म किसी भी विषय पर हो, एक कलाकार को फिल्म के नजदीक रहना चाहिए। जो कहानी राइटर ने लिखी है, वही आपकी जानकारी होनी चाहिए। वरना आप फिल्म की सोच से भटक सकते हैं। साथ ही, हमारे राइटर और डायरेक्टर पहले से ही विषय पर गहरी रिसर्च कर चुके थे, तो मुझे अलग से रिसर्च की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

हर फिल्म किसी न किसी जज्बात को छूती है। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म में भी कुछ ऐसी बातें होंगी जो दर्शकों के दिल तक पहुंचेगी। जो हालात हमने फिल्म में दिखाए हैं, वो उनके जेहन में रहें। लोग समझें कि हमने क्या दिखाने की कोशिश की है। और सबसे बड़ी बात, उन्हें यह महसूस हो कि उनका समय बेकार नहीं गया।

आप नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं। साथ में काम करते वक्त क्या आपने अपनी जर्नी के संघर्षों में कुछ समानता देखी?

मुझे तो लगता है कि हम दोनों ही बहुत रेगुलर लोग हैं, लेकिन बहुत टैलेंटेड हैं। जीतेंद्र बहुत अच्छा एक्टर है। अगर ऐसा नहीं होता तो फिल्म का सारा भार मुझ पर आ जाता और इसकी एक्टिंग भी मुझे ही करनी पड़ती। अगर कभी इसने मुझसे एक्टिंग सीख ली होती, तो शायद और भी खराब परफॉर्म करता।

'हिटमैन' के संन्यास को लेकर बचपन के कोच ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैच में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने बल्ले से कमाल कर दिया। रोहित ने 125 गेंदों पर नाबाद 121 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और 3 छक्के शामिल थे। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 50वां शतक भी साबित हुआ। रोहित शर्मा ने इस मैच में विराट कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी की। इस शानदार पार्टनरशिप के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर मैच जीत लिया।

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन

38 साल की उम्र में 'हिटमैन' रोहित शर्मा पहले से ज्यादा फिट और रनों के भूखे नजर आए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की पूरी कोशिश के बावजूद रोहित ने अपनी टाइमिंग और शॉट सेलेक्शन से विपक्षी गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया। रोहित ने इस सीरीज में कुल 202 रन बनाए, औसत 101 के साथ, जो किसी अन्य खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा थी। इस प्रदर्शन के चलते उन्हें 'Player of the Series' चुना गया।

रोहित शर्मा की रिटायरमेंट को लेकर बचपन के कोच ने तोड़ी चुप्पी

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने मैच के बाद बताया कि रोहित ने अपनी भविष्य की योजना पहले ही तय कर ली है। लाड ने कहा, 'आज रोहित की बल्लेबाजी और टीम को जीत दिलाने का अंदाज देखकर बहुत अच्छा लगा। उसने पहले ही तय कर लिया है कि वह 2027 का वनडे वर्ल्ड कप खेलेगा और उसके बाद रिटायरमेंट लेगा।' रोहित का सपना भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप जीतना है। वर्ल्ड कप 2011 में रोहित भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे, जबकि वर्ल्ड कप 2023 में उनकी कप्तानी में भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल हार गया था।

दिनेश लाड ने विराट की भी की तारीफ

विराट कोहली ने भी इस मैच में जबरदस्त बल्लेबाजी की। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली ने इस मैच में नाबाद 74 रन बनाए। दिनेश लाड ने कहा, 'विराट किसी भी परिस्थिति में सफल हो सकते हैं। जिस तरह वह खेले, देखकर बहुत अच्छा लगा।' लाड ने यह भी याद दिलाया कि सचिन तेंदुलकर ने भविष्यवाणी की थी कि रोहित शर्मा और विराट कोहली मास्टर ब्लास्टर के रिकॉर्ड्स को तोड़ेंगे। इस मैच और रोहित-कोहली के करियर को देखकर अब यह भविष्यवाणी सच होती नजर आ रही है।

एशिया जूनियर बैडमिंटन में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, शायना और दीक्षा ने जीता गोल्ड

चेंगदू (चीन) (एजेंसी)। भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में शायना मणिमुथु ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में दीक्षा सुधाकर ने अपनी हमवतन लक्ष्या राजेश को 21-16, 21-9 से मात दी।

दीक्षा इस उपलब्धि के साथ जूनियर एशियन चैंपियनशिप के इतिहास में अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय सिंगल्स खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले 2013 में भारत ने दो गोल्ड जीते थे – जब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 बॉयज़ सिंगल्स और चिराग शेट्टी-एमआर अर्जुन की जोड़ी ने अंडर-17 बॉयज़ डबल्स में जीत दर्ज की थी।

शायना ने जहां मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा, वहीं दीक्षा ने 27 मिनट में ऑल-इंडियन फाइनल अपने नाम किया। इससे पहले शनिवार को जगशेर सिंह खंगुरा ने बॉयज़ सिंगल्स में और जंगजीत सिंह काजला-जनानिका रमेश की जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक हासिल किए।

भारत के पदक विजेता

दीक्षा सुधाकर -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

शायना मणिमुथु -अंडर15 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

लक्ष्या राजेश -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स सिल्वर

जगशेर सिंह खंगुरा -अंडर17 बॉयज़ सिंगल्स ब्रॉन्ज

जंगजीत सिंह काजला और जनानिका रमेश -अंडर17 मिक्स्ड डबल्स ब्रॉन्ज।

शुभमन गिल ने दिया बड़ा संकेत, इस बॉलिंग ऑलराउंडर की 2027 वर्ल्ड कप में होगी जरूरत

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 9 विकेट से शानदार जीत के बाद कप्तान शुभमन गिल ने गेंदबाज हर्षित राणा की जमकर तारीफ की। गिल ने इशारों में संकेत दिया कि आने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत को राणा जैसे बॉलिंग ऑलराउंडर की जरूरत होगी।

गिल ने कहा कि अगर हर्षित लगातार 20-25 रन का योगदान बल्ले से भी दे सकते हैं, तो वह टीम के लिए नंबर 8 स्थान पर बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं।

गिल ने मैच के बाद कहा, 'हमें भरोसा है कि हर्षित ये कर सकते हैं, और यह पोज़िशन टीम के लिए बहुत अहम है।'

हर्षित राणा ने तीसरे वनडे में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों की कमर तोड़ दी थी। वहीं दूसरी ओर, गिल ने माना कि दक्षिण अफ्रीका जैसी तेज पिचों पर ऊंचे और 140+ की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाजों की अहमियत और बढ़ जाती है। 'ऐसे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं जो ऊंचे भी हैं और लगातार स्पीड से गेंदबाजी कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर ऐसे गेंदबाज बेहद जरूरी हैं,' गिल ने कहा।

भारत की जीत में हर्षित के अलावा स्पिनरों की भूमिका की भी गिल ने सराहना की, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में दबाव बनाया, जिसका फायदा राणा ने उठाया। रोहित शर्मा (121*) और विराट कोहली (74) ने शानदार बल्लेबाजी कर लक्ष्य को आसानी से हासिल किया।

हां मैंने आलोचना की थी, लेकिन हार्षित राणा का प्रदर्शन शानदार रहा: क्रिस श्रीकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज हार्षित राणा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों को चुप करा दिया। 23 साल के राणा ने अपनी ODI करियर की बेस्ट 4/39 गेंदबाज़ी के साथ भारत को 9 विकेट की जीत दिलाई और पूर्व चयनकर्ता व 1983 विश्व कप विजेता सदस्य क्रिस श्रीकांत भी फैन बन गए।

कुछ हफ्ते पहले श्रीकांत ने राणा को गौतम गंभीर का 'Yes Man' कहकर आलोचना की थी। हालांकि अब उन्होंने कहा: 'हार्षित राणा ने शानदार गेंदबाज़ी की। चार विकेट लेना एक बड़ी उपलब्धि है। मेरा पसंदीदा विकेट ओवेन का था। उसने बेहतरीन लाइन और लेंथ में गेंदबाज़ी की। पिछले मैच में उसे मार गिराया गया था, लेकिन इस मैच में उसने डैथ ओवर में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। आज हार्षित को सारी तारीफ मिलनी चाहिए।' राणा ने एडेलेड में भी 18 गेंद में नाबाद 24 रन बनाकर अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता दिखाई थी। कप्तान शुभमन गिल ने भी उनकी तारीफ की और कहा कि राणा 2027 ODI वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका की बाउंसी पिचों पर तीसरे तेज़ गेंदबाज़ और No.8 पर बल्लेबाज़ के रूप में टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच गौतम गंभीर ने भी राणा के बचपन के आलोचकों को लताड़ लगाई और कहा कि किसी 23 वर्षीय खिलाड़ी पर व्यक्तिगत हमला करना गलत है। 'उसका प्रदर्शन ही मापदंड होना चाहिए। किसी को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना उसके मनोबल पर असर डालता है। राणा ने अपनी मेहनत और काबिलियत से टीम में जगह बनाई है और आगे भी बनाए रखेगा।' गौर है कि तीसरे वनडे में भारत की ओर से रोहित शर्मा (121) और विराट कोहली (74) की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम ने 237 रन का लक्ष्य 69 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया।

मेसी का भारत दौरा टला

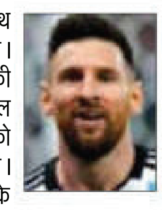

कोच्चि। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अगले माह होने वाला भारत दौरा टल गया है। दौरे के प्रायोजक ने कहा कि कुछ कारणों से ये दौरा टाल दिया गया है। वहीं इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। वहीं ऑगस्टीन ने अब सोशल मीडिया में घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। साथ ही कहा कि दौरे की नई तारीखों की जानकारी बाद में दी जाएगी। गौरतलब है कि विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) की अनुमति मिलने में देरी के कारण ही अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ बातचीत के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित किये जाने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा शीघ्र होगी। इससे पहले एएफए के प्रतिनिधियों ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा किया थ। वहीं केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी और उसके बाद ही कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा होगी।

रोहित एकदिवसीय में 100 कैच लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गये तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एकदिवसीय में 100 कैच लेने का भी रिकार्ड बनाया है। रोहित ने तीसरे एकदिवसीय में दो कैच पकड़कर अपने 100 कैच पूरे किये। रोहित ने नाथन एलिस का कैच लेकर अपने करियर का 100वां कैच लपका। इसी के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में 100 कैच लेने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली ने 305 मैच में 164 कैच, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 334 मैच में 156 कैच, सचिन तेंदुलकर ने 456 मैच में 140 कैच, राहुल द्रविड़ ने 344 मैच में 124 कैच, सुरेश रैना ने 226 मैच में 102 कैच, और सौरव गांगुली ने 311 मैच में 100 कैच लिए थे। रोहित ने तीसरे एकदिवसीयम में अपनी अपनी 121 रनों की पारी में 3 छक्के और 13 चौके लगाये थे। इस प्रकार रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों को मिलाकर 50 शतक लगाया। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के तीसरे और अब तक के 10वें बल्लेबाज हैं। रोहित की शतकीय पारी की सहायता से भारतीय टीम ने 237 के लक्ष्य को 38.3 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

हर्षित को गंभीर ने दी थी चेतावनी, प्रदर्शन करो या बहार होने के लिए तैयार रहो

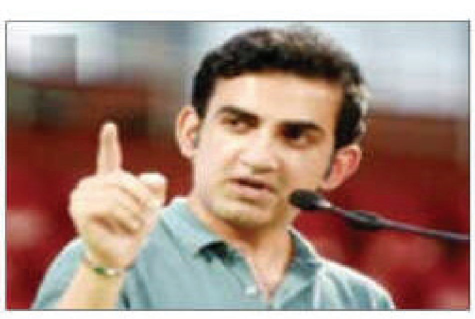

सिडनी। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में शामिल किये जाने के बाद से ही निशाने पर थे। पहले दो मैच में खराब गेंदबाजों के बाद उनके आलोचक और मुखर हो गये थे और उनका कहना था कि हर्षित अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज नहीं है पर अंतिम एकदिवसीय में इस युवा ने चार विकेट लेकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हर्षित ने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिए। इस युवा ने गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी की। दूसरे एकदिवसीय में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके बाद भी कई लोगों का मानना है कि उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि हर्षित के अच्छे प्रदर्शन के पीछे कोच गौतम गंभीर की उन्हें दी गयह चेतावनी थी। गंभीर ने उनसे प्रदर्शन करने या बाहर बैठने के लिए तैयार रहने को कहा था।

हर्षित के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने बताया कि उसके एकदिवसीय टीम में चयन पर सवाल उठाए गए थे। सिडनी मैच में हर्षित को अर्शदीप सिंह के ऊपर चुना गया, जिससे कई लोग हैरान रह गए। इसी दौरान गंभीर ने उसने प्रदर्शन करने या बाहर होने के लिए तैयार रहने कहा था।

श्रवण ने कहा, फ़उसने मुझे फोन किया और बताया कि वह अपने प्रदर्शन से बाहरी लोगों की बातों और आलोचनाओं को शांत करना चाहता है। तब मैंने बस कहा, 'खुद पर विश्वास रखो.' मुझे पता है कि कुछ क्रिकेटर कहते हैं कि वह गंभीर के करीब है इसलिए टीम में है पर ये सही नहीं है. लेकिन गंभीर को प्रतिभा की पहचान करना आता है। इसलिए. वह उनका समर्थन करते हैं उन्होंने पहले भी कई क्रिकेटरों का समर्थन किया है

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की

–पुलिस ने जांच तेज की

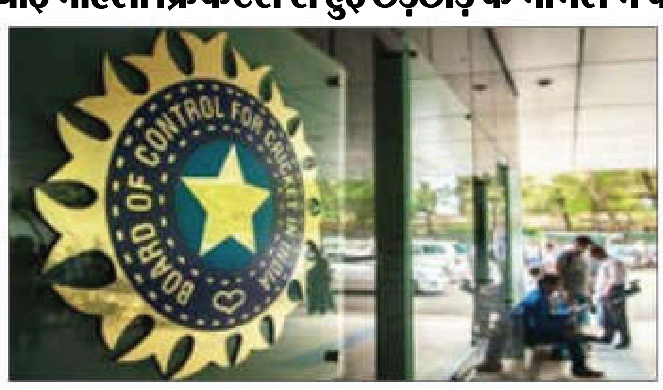

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले की कड़ी आलोचना की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस घटना की जितनी निंदा की जाये वह कम है। वहीं इस घटना पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) ने भी चिंता जताई और भारतीय अधिकारियों से खिलाड़ियों की सुरक्षा पक्की करने की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। वह इस मामले में गिरफ्तार आरोपी अकील खान से पूछताछ कर रही है। यह घटना उस समय हुई, जब खिलाड़ी होटल से निकलकर एक कैफे जा रही थीं।

इस घटना से ऑस्ट्रेलियाई टीम की सुरक्षा में लापरवाही की पोल जरुर खुल गयी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि अब सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और आगे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। पुलिस ने इस घटना के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज कर दी है। फुटेज में साफ तौर पर दिख रहा है कि कैसे आरोपी ने खिलाड़ियों के साथ बदसलूकी की। पुलिस ने हालांकि इस मामले में आरोपी को तत्कल पकड़ लिया था।

यह इलाका व्यस्त रहता है, फिर भी अपराधी ने जिस प्रकार घटना को अंजाम दिया उससे साफ है कि अपराधियों के हौंसले कितने बुलंद हैं। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने बताया कि सर्विस रोड पर अक्सर भीड़ रहती है पर सुरक्षा के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए थे। अतिरिक्त सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर मामले की तह तक जाने की कोशिश की जा रही है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस गश्त और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाना शामिल है। यह घटना से केवल सुरक्षा व्यवस्था ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान विदेशी मेहमानों की सुरक्षा को लेकर भारत की छवि को भी झटका लगा है।

क्लच शतरंज चैंपियंस में गुकेश के सामने बड़ी चुनौती

सेंट लुई। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को 412,000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियंस में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को जीत दिलाने के बाद अमेरिका पहुंचे गुकेश को खिताब जीतने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ खेल तकनीक दिखानी होगी। इस प्रतियोगिता में विश्व रैंकिंग के टॉप तीन खिलाड़ियों – मैग्नस कार्लसन, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना – का भी जोरदार मुकाबला होगा। हाल ही में पिता बने कार्लसन ने अपना ब्रेक खत्म किया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। क्लच शतरंज का यह टूर्नामेंट 18 गेम तक चलेगा और एक पखवाड़े में संपन्न होगा। विजेता को 120,000 अमेरिकी डॉलर, दूसरे स्थान पर 90,000 अमेरिकी डॉलर, तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमश: 70,000 और 60,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा, प्रत्येक राउंड में जीत पर अतिरिक्त 72,000 डॉलर की राशि भी पुरस्कार के रूप में मिलेगी।

टीम प्रबंधन को उम्मीद प्रतीका सेमीफ़ाइनल में भी करेगी अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2025 में अब भारत की असली परीक्षा शुरू होने जा रही है। सेमीफ़ाइनल में टीम इंडिया का सामना होगा उस ऑस्ट्रेलियाई टीम से, जिसने वर्षों से महिला विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाए रखा है। ग्रुप मैच में जब दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था, तब स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने शानदार शुरुआत दी थी, लेकिन टीम उस लय को अंत तक कायम नहीं रख सकी थी। इस बार दांव पहले से कहीं अधिक बड़ा है, क्योंकि जीत भारत को फाइनल में पहुंचा सकती है और हार से पूरा अभियान थम सकता है।

भारतीय बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना इस वर्ल्ड कप की सबसे निरंतर और प्रभावशाली खिलाड़ी रही हैं। उनके साथ प्रतीका रावल का प्रदर्शन भी अब पूरे टूर्नामेंट की चर्चा का विषय बन गया है। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि दबाव के क्षणों में वह टीम की रीढ़ बन सकती हैं। अब सभी निगाहें उन पर होंगी, क्योंकि यही वह मैच है जो खिलाड़ियों को नायक से दंतकथा में बदल देता है और महिला क्रिकेट के इतिहास में नए अध्याय लिखता है।

टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि प्रतीका एक बार फिर अपनी दमदार पारी से विपक्ष को चौंकाएंगी। नॉकआउट मैचों में परिस्थितियाँ पलभर में बदल सकती हैं जैसा कि 2017 के डर्बी सेमीफ़ाइनल में हरमनप्रीत कौर ने अपने ऐतिहासिक शतक से दिखाया था। अगर इस बार स्मृति और प्रतीका मिलकर वही करिश्मा दोहराती हैं, तो भारत न सिर्फ फाइनल में जगह बना सकता है बल्कि ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को भी तोड़ सकता है।

इस मैच में भारत को धैर्य, संयम और आत्मविश्वास से खेलना होगा। टीम को खुद पर उतना ही विश्वास रखना होगा जितना प्रतीका ने मुश्किल वक्त में अपने खेल पर रखा था। अगर इस बार भी उन्होंने बल्ले से वही जवाब दिया जो न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ दिया था, तो ऑस्ट्रेलिया को भारत के सामने झुकना पड़ सकता है और प्रतीका रावल का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाएगा।

शास्त्री ने एकदिवसीय क्रिकेट के पांच भारतीय दिग्गजों की सूची में विराट को शीर्ष पर रखा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट के पांच दिग्गज क्रिकेटरों का चयन किया है। हैरानी की बात ये है कि शास्त्री ने इसमें विराट कोहली का नाम सचिन तेंदुलकर से पहले लिया है। शास्त्री का कहना है कि विराट ने एकदिवसीय में सचिन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इसी लिए उन्हें पहले रखा है। साथ ही कहा कि विराट इस प्रारुप में दुनिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं, हालांकि वह अब भी एकदिवसीय में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रनों के रिकॉर्ड से काफी पीछे हैं। शास्त्री ने इस सूची में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और कपिल देव को भी रखा है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस सूची में शामिल नहीं किये जाने को लेकर कहा कि अभी उनके पास खेलने के लिए समय है। उन्होंने इस सूची में पूर्व खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को शामिल किया है जो करियर के अंत की ओर हैं। शास्त्री ने विराट को शीर्ष पर रखने क लि एक दशक से भी ज़्यादा समय से उनके शानदार प्रदर्शन और मैच विजेता होने का कारण बताया है। शास्त्री ने तीन विश्व कप विजेता खिलाड़ियों – धोनी, तेंदुलकर और कपिल को भी अपनी इस सूची में रखा है। शास्त्री ने कहा, मैं कोहली, तेंदुलकर, कपिल, धोनी और रोहित को चुनूंगा। साथ ही कहा कि अगर आप क्रिकेट इतिहास को देखें तो कई और अच्छे खिलाड़ी रहे हैं पर मेरे लिए ये खिलाड़ी सबसे अलग रहे हैं। इसलिए उन्हें जगह दी है। इस सूची में केवल दो ही सक्रिय खिलाड़ी विराट और रोहित है हालांकि ये भी अपने अंतिम दौर में हैं1

रोहित और कोहली होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के बड़े हथियार: भारतीय पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने दिग्गज बल्लेबाज़ रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम इंडिया के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में अहम भूमिका निभाने की पुष्टि की है। प्रसाद ने कहा कि यह अनुभवी जोड़ी टीम के लिए बड़े संपत्ति साबित होगी।

तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, रोहित और विराट ने शानदार बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन किया और भारत को 9 विकेट से जीत दिलाकर सीरीज में वाइटवॉश से बचाया। रोहित ने 121* रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और ODI में अपना 33वां शतक जड़ा। विराट कोहली ने पिछली दो पारियों में लगातार डक के बाद वापसी करते हुए 74 रन* बनाए और कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों के ODI में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

प्रसाद ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। पिछले दो मैचों में उनके प्रदर्शन का इंतजार था। यह वर्ल्ड कप की तैयारी में बहुत अहम है। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बड़े संसाधन हैं।'

उन्होंने कहा कि दोनों बल्लेबाज़ों के पिछले रिकॉर्ड और फिटनेस को देखते हुए उन्हें केवल वर्तमान फॉर्म से आंका नहीं जा सकता। प्रसाद ने यह भी सराहा कि रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने सही समय पर अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी संभालने का मौका दिया।

'टीम में इतनी प्रतिभा है कि श्रेस्अयर इयेर जैसी खिलाड़ी भी टी20 टीम में जगह नहीं पा रहे हैं। यह दर्शाता है कि टीम के पास बहुत गहराई है और युवा खिलाड़ी अब मजबूती से अपनी पहचान बना रहे हैं।'

प्रसाद ने टी20 फॉर्मेट में टीम की मजबूती और प्रतिभा के पूल की भी तारीफ की, यह बताते हुए कि भारत के पास आने वाले समय के लिए मजबूत टीम है।

चीन में बने एप का इस्तेमाल कर पुलिस को धोखा दे रहे थे साइबर ठग

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में साइबर ठग चीन में बने एक विशेष एप का उपयोग करके पुलिस से एक कदम आगे चल रहे हैं। दरअसल ठग चीन में बने एक एप का इस्तेमाल करते हैं जिसके जरिए उन्हें पहले ही पता चल जाता है कि पुलिस किस बैंक खाते को फ्रीज (ज़ब्त) करवाने वाली है। राजस्थानियों से 9 महीने में 3 अरब 38 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। पुलिस अब तक केवल 2 करोड़ 22 लाख रुपये ही रिकवरी कर सकी है। भिवाड़ी पुलिस द्वारा पकड़े गए 122 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मास्टरमाइंड अंकित शर्मा ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया। वह बैंक खाते किराए पर लेकर चीन में बैठे ठगों को उपलब्ध कराता था। ठगी का पैसा जिन खातों में जाता था, वे सभी इस एप से जुड़े होते थे। ठग लाइव देख सकते थे कि किस खाते में कितना पैसा जमा हुआ और कितना निकाला गया। जब साइबर पुलिस खाता फ्रीज करवाने की कोशिश करती थी, तब इस चीनी एप के जरिए उन्हें पहले ही अलर्ट मिल जाता था। साइबर फ्रॉड का संचालन बड़े स्तर पर चीन, दुबई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से हो रहा है। विदेशी ठग भारत में एजेंट तैयार करते हैं और उन्हें कमीशन का लालच देते हैं। विदेशी ठग भारतीय एजेंटों से कभी फोन पर बात नहीं करते, बल्कि केवल टेलीग्राम और वॉट्सएप चैट के जरिए संपर्क में रहते हैं। इतना ही नहीं साइबर ठग गिरोह का एक इन-हाउस लाइव-एप है जो म्यूल खातों (ठगी का पैसा ट्रांसफर करने में इस्तेमाल होने वाले खाते) को रियल-टाइम में ट्रैक करता है। यह एप उन्हें बताता है कि किस खाते में रकम आई, कौन-सा खाता पुलिस ने फ्रीज कर दिया है, और किस खाते से पैसे निकाले जा सकते हैं।

सोना तस्करी मामले में म्यांमार की महिला गिरफ्तार, अंडरगारमेंट में छिपाकर ला रही थी सोने की छड़ें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने सोने की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। विभाग ने म्यांमार की एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया है, जो अपने अंतःवस्त्र में छिपाकर सोने की छड़ें भारत लाने की कोशिश कर रही थी। बरामद सोने का कुल मूल्य 1.17 करोड़ रुपये बताया गया है। सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, आरोपी महिला बीते दिवस यंगून (म्यांमार) से दिल्ली पहुंची थी। गुप्त सूचना के आधार पर उसे आईजीआई एयरपोर्ट पर रोका गया। जब उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई, तो उसके अंतःवस्त्र में छह सोने की छड़ें पाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि छड़ें भूरे रंग के टेप में सावधानीपूर्वक लपेटकर छिपाई गई थीं ताकि स्कैनर में पकड़ न आएं। बरामद सोने का वजन 996.5 ग्राम है। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह मामला सोने की अवैध तस्करी से जुड़ा प्रतीत होता है। महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हिमाचल प्रदेश पुलिस में बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित होने वाली बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित हो गई है। यह परीक्षा करीब 8 साल के लंबे अंतराल के बाद आयोजित की जा रही थी। परीक्षा देने के लिए 4,461 (लगभग 4400) कांस्टेबल 14 केंद्रों पर पहुंचे थे। परीक्षा कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित हो रही है। पहले 21 सितंबर को होनी थी, जो बारिश के कारण 26 अक्टूबर को प्रस्तावित की गई थी। दो शिफ्टों में आयोजित होनी थी (प्रात:कालीन- 2,696 उम्मीदवार और सायंकालीन- 1,765 उम्मीदवार)। डीजीपी अशोक तिवारी ने तकनीकी कारणों से व्यवधान की पुष्टि की और निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षा को अस्थायी रूप से स्थगित करने की जानकारी दी। विभाग ने हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। तकनीकी समस्याओं के समाधान के बाद जल्द ही घोषित की जाएगी।

निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे तेज रफ़्तार कार दुर्घटनाग्रस्त, सात लोग घायल

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर वाहन चलाना प्रतिबंधित होने के बावजूद एक तेज रफ़्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना हरदोई, हरपालपुर के ग्राम इकनौरा के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुई। शनिवार देर रात तेज रफ़्तार कार अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे से नीचे खाई में जा गिरी और पलट गई। पुलिस के अनुसार, चालक ने कार की अधिक रफ़्तार के कारण संतुलन खो दिया। हादसे में सात लोग घायल हुए, जिसमें साले-बहनोई भी शामिल हैं। फर्रुखाबाद के ग्राम कनकापुर के मोहित मिश्रा (जो कार चला रहे थे), उनके साले संदीप पांडेय, साढ़ू पुनीत शुक्ला, बड़े भाई कुलदीप, भाभी कोमल, भतीजा यश, और भतीजी अंशिका। राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। कुलदीप, संदीप, और कोमल की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मोहित मिश्रा कानपुर से दवा लेकर घर (फर्रुखाबाद) लौट रहे थे। बता दें कि गंगा एक्सप्रेस-वे अभी यातायात के लिए बंद है और इस पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित है। जिलाधिकारी ने सभी थाना प्रभारियों, एसडीएम को इस पर आवागमन रोकने का निर्देश दिया था और नागरिकों से भी अपील की थी कि वे अपनी जान जोखिम में न डालें। इसके बावजूद लोग इस निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर रहे हैं।

37 दिन बाद भी जुबीन गर्ग की स्मारक पर श्रद्धांजलि देने वालों का ताँता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सोनपुर में 37 दिन पहले जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार हुआ था। लेकिन अभी भी लोक गायक जुबीन गर्ग के स्मारक में श्रद्धांजलि देने वालों का ताँता लगा हुआ है ।जुबिन की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने के कारण हुई थी। 23 सितंबर को कमरकुची गांव में उनका अंतिम संस्कार हुआ था ।हर दिन 5 से 10000 लोग श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पहुंच रहे हैं।

सीएम सिद्धारमैया ने दिए संकेत, नए साल से पहले कर्नाटक सरकार में होगा फेरबदल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने संकेत दिए हैं कि उनकी सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद, यानी नवंबर के बाद, कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। मीडिया से बातचीत में सिद्धारमैया ने खुलासा किया कि कांग्रेस आलाकमान ने चार महीने पहले ही उन्हें कैबिनेट विस्तार का सुझाव दिया था। हालांकि, उन्होंने आलाकमान को सूचित किया कि यह फेरबदल सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद होगा। सीएम ने कहा, 'ढाई साल का पड़ाव पार होने के बाद मैं पार्टी आलाकमान से चर्चा करूंगा और उनके निर्देशों के अनुसार फैसला लूंगा।''

सिद्धारमैया 16 नवंबर को दिल्ली दौरे पर जाएंगे, जहां वे वरिष्ठ वकील और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल की किताब के विमोचन समारोह में शामिल होंगे। इस दौरे के दौरान वे कांग्रेस आलाकमान से भी मुलाकात करेंगे और अपनी सरकार के विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर में आयोजित होगा।

यह फेरबदल ऐसे समय में प्रस्तावित है, जब सिद्धारमैया सरकार को ढाई साल पूरे हो रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही यह चर्चा जोरों पर रही है कि सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने की सहमति बनी थी। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने इस तरह की किसी औपचारिक सहमति से इनकार किया है, लेकिन कर्नाटक की सियासत में यह मुद्दा बार-बार सुर्खियां बटोरता रहा है।

2023 में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ही मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे। इस मुद्दे पर लंबी चर्चाओं के बाद दोनों नेताओं ने दिल्ली में पार्टी आलाकमान से मुलाकात की थी। अंततः सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन तब से यह कयास लगाया जाता रहा है कि ढाई साल बाद डीके शिवकुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। अब, जब सरकार का ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है और कैबिनेट फेरबदल की बात सामने आ रही है, कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। क्या यह फेरबदल केवल मंत्रिमंडल तक सीमित रहेगा या मुख्यमंत्री पद में भी बदलाव होगा, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल, सिद्धारमैया के दिल्ली दौरे और आलाकमान के साथ उनकी चर्चा पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक नहीं खुला इंडिगो फ्लाइट का गेट, यात्रियों में मची अफरातफरी

कानपुर (एजेंसी)। मुंबई से कानपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट (6ई-824) शनिवार को यात्रियों के लिए डर और बेचैनी का सबब बन गई। दरअसल विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक गेट नहीं खुला, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। महिलाएं और बच्चे घबरा गए, वहीं यात्री बार-बार एयर होस्टेस से बाहर निकलने की गुहार लगाते रहे। जानकारी के अनुसार, विमान को दोपहर 3:58 बजे कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर उतारा गया था। लैंडिंग के बाद यात्रियों को बताया गया कि विमान में ÷तकनीकी खराबी÷ आ गई है, जिसके कारण गेट नहीं खोला जा सकता। करीब आधे घंटे तक यात्री विमान के भीतर ही फंसे रहे। फ्लाइट में सवार यात्रियों का कहना था कि लोग बार-बार पूछ रहे थे कि आखिर क्या हुआ? बच्चे रोने लगे थे, कुछ लोग सीटें छोड़कर इधर-उधर घूमने लगे और ऐसे में माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया था।

तकनीकी खराबी निकली वजह- सूचना पर एयरपोर्ट की तकनीकी टीम रनवे पर पहुंची। जांच में पता चला कि विमान की बैटरी डिस्चार्ज हो गई थी, जिसकी वजह से ऑटोमेटिक गेट सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। बैटरी को चार्ज करने के बाद शाम 4:42 बजे गेट खोला गया और तब जाकर यात्री बाहर निकल पाए। कई लोगों ने बाहर आकर भगवान का धन्यवाद किया और राहत की सांस ली।

वापसी उड़ान में भी देरी- इसी विमान को कानपुर से मुंबई के लिए रवाना होना था, लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण वह उड़ान भी करीब डेढ़ घंटे लेट हो गई। जो फ्लाइट शाम 4 बजे उड़नी थी, वह 5:30 बजे रवाना हुई।

करूर भीषण भगदड़ मामले की जांच सीबीआई के हाथ में, विजय की पार्टी की रैली के दौरान हुई थी भगदड़

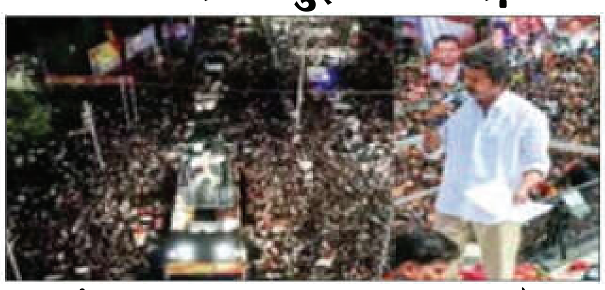

चेन्नई (एजेंसी)। साऊथ अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) की राजनीतिक रैली के दौरान करूर में हुई भीषण भगदड़ की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ले ली है। सीबीआई अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम, करूर में हुई घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक घायल हुए थे। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके द्वारा स्वतंत्र जांच के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने संवेदनशील मामले को सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया।

सीबीआई की विशेष टीम ने तमिलनाडु के करूर स्थित घटनास्थल का दौरा किया है। प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई ने राज्य पुलिस की एफआईआर को फिर से दर्ज कर स्थानीय अदालत को इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी है।

मामले की निष्पक्षता और व्यापक प्रभाव को देखते हुए, शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति का गठन किया गया है। अदालत ने सीबीआई निदेशक को जांच की जिम्मेदारी संभालने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति करने और उनकी सहायता के लिए अन्य अधिकारियों को नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। यमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि 27 सितंबर की भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन पर गहरी छाप छोड़ी है।

पीठ ने मामले के राजनीतिक निहितार्थों का उल्लेख करते हुए कुछ शीर्ष पुलिस अधिकारियों की मीडिया टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि इन टिप्पणियों से नागरिकों के मन में निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह पैदा हो सकता है।

महिला डॉक्टर आत्महत्या में कई खुलासे: रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर समेत इंजीनियर गिरफ्तार

सातारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सातारा जिले में एक सरकारी महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले ने पूरे क्षेत्र में सनसनी मचा दी है। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, बडने और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज था, लेकिन बडने लंबे समय तक फरार रहा। आखिरकार, उसने फलटण ग्रामीण पुलिस थाने में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले, पुलिस ने 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की आत्महत्या के सिलसिले में सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर को भी गिरफ्तार किया था। मृतका, जो मराठवाड़ा के बीड जिले की रहने वाली थी, सातारा के सरकारी अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रही थी।

गुरुवार रात फलटण के एक होटल के कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिला। मृतका की हथेली पर लिखे सुसाइड नोट ने मामले को और गंभीर बना दिया, जिसमें उसने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने पर कई बार बलात्कार करने और बांकर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया।पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ फलटण में बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि बांकर उस मकान का मालिक का बेटा है, जहां डॉक्टर किराए पर रहती थी। मामले में नाम सामने आने के बाद बडने को पहले ही निलंबित किया जा चुका था। इस बीच, शुक्रवार रात बीड जिले के वडवानी तहसील में मृतका का अंतिम संस्कार किया गया।मृतका के रिश्तेदारों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताया और आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। एक रिश्तेदार ने दावा किया कि डॉक्टर ने उत्पीड़न की कई शिकायतें की थीं, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते उसे यह कठोर कदम उठाना पड़ा। इस मामले ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए हैं, और स्थानीय लोग अब कठोर न्याय की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है, और दोनों आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने न केवल सातारा, बल्कि पूरे महाराष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस छेड़ दी है।

लेडी डॉक्टर पर ही उठने लगे सवाल

गिरफ्तार इंजीनियर के भाई और बहन ने बताया कि मीडिया में जो खबरें चल रही हैं कि उसे पुणे के फार्महाउस से पकड़ा गया, वो गलत हैं। क्योंकि हमने खुद पुलिस को बुलाकर फलटण स्थित हमारे घर से खुद सरेंडर कराया था। लेडी डॉक्टर लगातार मेरे भाई को फोन करती थीं और परेशान कर रही थीं। हमारे पास सारे कॉल रिकॉर्ड्स और सोशल मीडिया चैट्स हैं जो हमने पुलिस को दिए हैं। पिछले महीने उसका भाई डेंगू से बीमार था। डॉक्टर ने ही उसका इलाज किया और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। करीब 15 दिन पहले डॉक्टर ने भाई को शादी का प्रस्ताव दिया, लेकिन उसने मना कर दिया। दीवाली के समय डॉक्टर कुछ तनाव में थीं, लेकिन हमें लगा काम का दबाव होगा।

पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर उस पर शादी और शारीरिक संबंध बनाए रखने का दबाव डाल रही थी। जांच में अब तक कई कॉल रिकॉर्डिंग्स और चैट्स मिले हैं जिनमें डॉक्टर तनाव, दबाव और भावनात्मक उलझन की बात करती दिख रही हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का गैंगस्टर लखविंदर कुमार को अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर गैंगस्टर लखविंदर कुमार जो लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है, अमेरिका से डिपोर्ट कर दिल्ली लाया गया है। सीबीआई ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर हरियाणा पुलिस ने लखविंदर को तुरंत हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, लखविंदर पर हरियाणा में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें फिरौती, धमकी, अवैध हथियार रखना और हत्या की कोशिश शामिल है। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया था। यह नोटिस 26 अक्टूबर 2024 को जारी हुआ था, जिसके बाद संयुक्त प्रयासों से आरोपी को 25 अक्टूबर 2025 को भारत वापस लाया गया। सीबीआई ने बताया कि विदेश मंत्रालय (एमईए) और गृह मंत्रालय के सहयोग से इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सीबीआई ने भारत में अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया ताकि लखविंदर को वापस लाया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में 130 से ज्यादा वांछित अपराधियों को भारत लाया गया है। पिछले महीने भी सीबीआई ने हरियाणा पुलिस, विदेश और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुख्यात अपराध मेनपाल ढिल्ला उर्फ सोनू कुमार को कंबोडिया से वापस लाया था। ढिल्ला को हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियार और साजिश के मामलों में उम्रकैद की सजा मिली हुई है।

खुद को अकेला महसूस कर रहे कांग्रेस उम्मीदवार, राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार से बनाई दूरी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस खेमे में यह सवाल गूंज रहा है कि विपक्ष के प्रमुख नेता राहुल गांधी चुनावी रणभूमि से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। राहुल गांधी ने आखिरी बार 1 सितंबर को पटना में अपनी 'मतदाता अधिकार यात्रा' के समापन के दौरान बिहार का दौरा किया था। यह यात्रा 15 दिनों में 1,300 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 20 जिलों तक पहुंची थी। इसके बाद से वे बिहार में नजर नहीं आए। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव इस बीच दिल्ली पहुंचे और सूत्रों के अनुसार, उन्होंने वहां मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की घोषणा की मांग की।

कांग्रेस के कई प्रत्याशियों ने पार्टी नेतृत्व और राहुल गांधी के कार्यालय से अपने क्षेत्रों में प्रचार के लिए उनके आगमन की मांग की है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति से स्थानीय कार्यकर्ताओं में भ्रम और निराशा का माहौल है। हालांकि, पार्टी के आंतरिक सूत्रों का दावा है कि महागठबंधन के भीतर ज्यादातर मुद्दों का समाधान हो चुका है और राहुल गांधी अगले सप्ताह से बिहार में चुनावी प्रचार शुरू कर सकते हैं।महागठबंधन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग ने शुरू में कांग्रेस को असमंजस में डाल दिया था। कांग्रेस को आशंका थी कि तेजस्वी यादव के खिलाफ हाल ही में एक नए मामले में आरोपपत्र दाखिल होने के कारण उनके नाम की घोषणा से गठबंधन और पार्टी की छवि को नुकसान हो सकता है।

इस मसले को सुलझाने के लिए कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बिहार भेजा। पटना में गहलोत ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की और इसके बाद एक संवाददाता सम्मेलन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।'इंडिया' गठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया है, जबकि निषाद समुदाय के नेता और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का वादा किया गया है। अशोक गहलोत ने घोषणा के दौरान कहा कि अन्य सामाजिक और धार्मिक समूहों से भी अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने आरोप लगाया है कि बिहार की 17 प्रतिशत मुस्लिम आबादी के बावजूद विपक्ष ने इस समुदाय की उपेक्षा की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों को उम्मीद है कि राहुल गांधी के प्रचार में उतरने से महागठबंधन को मजबूती मिलेगी। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आरजेडी पहले से ही आक्रामक प्रचार में जुटी है।

देहरादून में द केरल स्टोरी जैसा सनसनीखेज मामला: धर्मांतरण की साजिश नाकाम, चार गिरफ्तार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में फिल्म द केरल स्टोरी की तर्ज पर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवती को झूठे वादों और प्रलोभन देकर धर्मांतरण और निकाह के लिए मजबूर करने की साजिश रची गई। रानीपोखरी की इस युवती को बहलाने की कोशिश में शामिल छांगुर गैंग के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि ये आरोपी पहले आगरा में एक अन्य धर्मांतरण मामले में भी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि पीड़िता की दोस्ती फेसबुक के जरिए अबू तालिब से हुई थी। अबू ने झूठे वादों और प्रलोभनों के जरिए उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया। इसके बाद उसने युवती की मुलाकात अपने दोस्त अयान से कराई, जिसके साथ दिल्ली में निकाह की योजना बनाई गई। साजिश के तहत युवती को आर्थिक मदद, ऑनलाइन कपड़े, मोबाइल फोन, और सिम दी गई। व्हाट्सएप बिजनेस ऐप डाउनलोड करवाकर संपर्क बनाए रखा गया। रानीपोखरी तक कैब भेजी गई, और उसे दिल्ली में अब्दुल के 'सेफ हाउस' में रखने की तैयारी थी। लेकिन, आखिरी समय पर युवती ने निकाह से इनकार कर दिया, जिससे एक बड़ी वारदात टल गई। शनिवार को देहरादून कोर्ट में चारों आरोपियों अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह (दिल्ली), एसवी कृष्णा उर्फ आयशा (गोवा), अब्दुर रहमान उर्फ रुपेंद्र सिंह (देहरादून, मूल निवासी मैनपुरी), और अबू तालिब (मुजफ्फरनगर) को आगरा पुलिस द्वारा पेश किया गया। कोर्ट की सुनवाई के बाद उन्हें वापस आगरा ले जाया गया। देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि इनके खिलाफ कोर्ट से वारंट-बी जारी करवाया गया था, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, इस साजिश में शामिल सभी आरोपियों पर बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि यह गैंग संगठित तरीके से काम करता था और पहले भी आगरा में इसी तरह के मामले में लिप्त था। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच शुरू कर दी है और अन्य संभावित पीड़ितों की तलाश कर रही है। इस घटना ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आ रहा तूफान, प्रशासन की सांसें फूलीं, 3 राज्यों में हाई अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बन रहे गहरे दबाव ने चक्रवाती तूफान मोंथा ने विकराल रूप ले लिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 28 अक्टूबर की शाम या रात को यह तूफान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कालींगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के पास टकरा सकता है। आईएमडी के वैज्ञानिक एस करुणासागर ने बताया कि इससे पहले आंध्र तट के पास 45 से 55 किमी/घंटा की हवाएं चलने लगेंगी, जो धीरे-धीरे 90-110 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं।' इसके असर को देखते हुए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में प्रशासन ने हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में चक्रवात के खतरे को देखते हुए जिलों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और अधिकारियों को चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विशाखापट्टनम कलेक्टरेट में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां लोग चक्रवात से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए मदद ले सकते हैं। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0891-2590102 और 0891-2590100 जारी किए गए हैं। विशाखापट्टनम के कलेक्टर एमएन हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्टाफ शिफ्ट के आधार पर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। आंध्र प्रदेश सरकार ने तटीय जिलों और रायलसीमा क्षेत्र में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ आपात बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि आवश्यक सेवाओं में किसी भी तरह की रुकावट नहीं आनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित की जाएं। सीएम ने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को संवेदनशील जिलों में तैनात किया जाए। काकीनाडा में 'हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' की व्यवस्था रखी जाए। बिजली और पेयजल आपूर्ति निर्बाध रहनी चाहिए। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि गुंटूर, नेल्लोर, चित्तूर, काकीनाडा, बापटला और वाईएसआर कडप्पा जिलों में विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। 27 और 28 अक्टूबर को सारे स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।आईएमडी ने चेतावनी दी है कि 27 से 29 अक्टूबर तक तटीय और रायलसीमा जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश (210 मिमी से अधिक) हो सकती है।

थाईलैंड ने इस चक्रवाती तूफान का नाम मोंथा रखा है। थाई भाषा में इसका अर्थ है 'सुगंधित या सुंदर फूल' होता है। भारतीय मौसम विभाग ने इसे 'सीवियर साइक्लोनिक स्टॉर्म' यानी गंभीर चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखा है। इस दौरान 90 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होगी।आईएमडी के अनुसार, यह तूफान फिलहाल दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में केंद्रित है और लगातार पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। शनिवार को यह पोर्ट ब्लेयर से 460 किमी पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, चेन्नई से 950 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, और काकीनाडा से 970 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

वहीं ओडिशा सरकार ने भी अपनी आपदा प्रबंधन प्रणाली को सक्रिय कर दिया है। राज्य के 16 जिलों पर तूफान का प्रभाव पड़ने की आशंका है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने 15 जिलों के कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक की और कहा, 'लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। प्रशासन पूरी तैयारी में है। चक्रवात से पहले सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।' सरकार ने कोरापुट, मलकानगिरी, रायगढ़ा, नबरंगपुर, कालाहांडी, गंजाम और गजपति जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि नौ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। संवेदनशील इलाकों में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और साइक्लोन शेल्टर तैयार रखे गए हैं। आईएमडी के अनुसार, सोमवार शाम से 80 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। तमिलनाडु के तटीय जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो चुकी है। चेन्नई, नागपट्टिनम, और कुड्डालोर जिलों में अगले चार से पांच दिन तक लगातार बारिश जारी रहने की संभावना है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक अमरदीप शर्मा के लिए जैमन प्रिंटर्स प्रा. लि. रोड नं. 14 पी विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर, 302013 से मुद्रित एवं एफ- 43 गोविंदम टावर ,करधनी कालवाड़ रोड जयपुर से प्रकाशित। प्रधान कार्यालय:- एफ- 43 गोविंदम टावर करधनी कालवाड़ रोड जयपुर 302012 (राज.) संपादक अमरदीप शर्मा । राजस्थान मीनू सेन प्रबंध संपादक सीकर मो: नंबर 8619639447